तापमान

अधिकतम 42.4 डिग्री

न्यूनतम 21.8 डिग्री

हरिभूमि

जीटी रोड भूमि

रोहतक, रविवार, 1 जून 2025

12 तेपला में रात्रि ठहराव, ग्रामीणों ने 25 शिकायतें दर्ज करवाई

12 शिक्षिका ज्योति को मिला मालती ज्ञान पीठ पुरस्कार

खबर संक्षेप

स्नेचिंग के मामले में तीन बदमाश गिरफ्तार

अंबाला। थाना पड़ाव में दर्ज स्नेचिंग के मामले में पुलिस ने आरोपी प्रिंस कुमार व विकास और रवि शंकर को गिरफ्तार किया है। फडौली के विजय कुमार ने 30 मई 2025 को शिकायत दर्ज करवाई थी कि वह जग्गी सिटी सेंटर में नौकरी करता है। शाम को ड्यूटी उपरांत एनडीआई प्लाजा से पैदल अपने घर गांव फडौली जा रहा था।पीछे से तीन मोटरसाइकिल सवार युवकों ने उससे मोबाइल, नकद राशि व दस्तावेज छीन लिए। इस शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज किया था।

हेरोइन तस्करी में दो आरोपी गिरफ्तार

अंबाला। थाना पड़ाव क्षेत्र दिल्ली हाइवे सर्विस रोड सेक्टर-34 अंबाला छावनी के पास से नशा तस्करी मामले में सीआईए-1 ने आरोपी गौरव व अभय को 152 ग्राम हेरोइन सहित गिरफ्तार किया है। अब आरोपियों को दो दिन के रिमांड पर लिया गया है। निरीक्षक सीआईए-1 ने बताया कि उन्हें सूचना मिली थी कि आरोपी मादक पदार्थों की तस्करी का कार्य करते हैं। इसी आधार पर नाकाबंदी कर आरोपियों को काबू किया गया। सैक्टर-34 पार्क के पास तलाशी लेने पर उनसे 152 ग्राम हेरोइन बरामद की गई।

पानीपत में पटाखों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया

पानीपत। जिलाधीश द्वारा सर्वोच्च न्यायालय के आदेशानुसार एनसीआर में सभी प्रकार के पटाखों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया गया है। जिसके प्रभावी कार्यान्यवन के लिए जिला में कमेटी गठित की गई है। जिला के साथ-साथ खंड स्तर पर यह कमेटी छापे के दौरान पाए गए सभी अवैध पटाखों को तुरंत जप्त करेगी और मौके पर ही उनके विरूद्ध निपटान विस्फोटक नियम 2008 में निर्धारित प्रावधानों के अनुसार सख्ती से निपटा जाएगा।

विश्व गायत्री परिवार ने नशा मुक्ति रैली निकाली

कुरुक्षेत्र। विश्व तम्बाकू निषेध दिवस पर अखिल विश्व गायत्री परिवार कुरुक्षेत्र द्वारा गायत्री शक्तिपीठ कुरुक्षेत्र से प्रातः 8 बजे एक भव्य नशा मुक्ति रैली निकाली गई। रैली का प्रेम चन्द शर्मा के निवास पर भव्य स्वागत किया गया। तम्बाकू, शराब, गांजा आदि विभिन्न नशों से होने वाली हानियों के बारे में पर्चे बांट कर व्यक्तियों को अवगत कराया गया।

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान सिवाह गांव के किसान के खेत में पहुंचे

सरकार का प्रमुख लक्ष्य अन्न के भंडार भरना और किसानों की पैदावार बढ़ाना

एक राष्ट्र ,एक कृषि और एक टीम के साथ हो रहा कार्य

हरिभूमि न्यूज ▸▸| पानीपत

- केंद्रीय मंत्री ने किसान से आधुनिक सब्जियों के उत्पाद की बारीकियों को जाना

केंद्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने विकसित कृषि संकल्प अभियान के तहत शनिवार को जिले के गांव सिवाह के प्रगति शील किसान रामप्रताप के फार्म का भ्रमण किया व आधुनिक तरीके से किसान द्वारा की जा रही सब्जी की खेती की बारीकियों को जाना।

केंद्रीय कृषि मंत्री ने कहा कि किसान अन्न दाता व जीवन दाता है। किसान व्यवस्था का प्रमुख आधार है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमारा लक्ष्य अन्न के भंडार भरना व किसानों को जागरूक करना है ताकि वह फायदे की खेती कर सके। मंत्री ने कहा कि हम किसान के पास जाएंगे तो कृषि नीति प्रभावित होगी। आज कृषि वैज्ञानिक व मंत्री स्वयं किसान के खेत में पहुंचे है जो बड़े ही हर्ष का विषय है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि एक राष्ट्र एक कृषि एक टीम की भावना के साथ कार्य किया जा रहा है। देश में बड़े पैमाने पर किसानों के साथ संवाद किया जा रहा है। कार्यक्रम में पहुंचने पर अतिरिक्त उपाय डॉक्टर पंकज एसडीएम मनदीप ने बुके देकर मंत्री का अभिनंदन स्वागत किया। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री के साथ कृषि मंत्री हरियाणा श्याम सिंह राणा ,शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा भी उपस्थित रहे। सभी ने किसान के फार्म पर पौधरोपण भी किया। केंद्रीय मंत्री ने किसानों के साथ भी बातचीत की कि वह किस तरह से खेती में अपनी पैदावार को बढ़ा रहे हैं। इस बारे में भी विस्तार से जानकारी ली। केंद्रीय मंत्री ने किसान से फसल की पैदावार के बारे में भी बातचीत की तो किस का सीधा सा जवाब था कि क्वालिटी के हिसाब से रेट मिलता है अच्छी वैरायटी हो तो अच्छी आमदनी हो जाती है । उन्होंने बताया कि व 26 तरह की किस्मों की खेती करते हैं।

पानीपत। गांव सिवाह के खेत में तरबूज का स्वाद लेते हुए केंद्रीय मंत्री शिव राज चौहान, कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा, शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा आदि।

तरबूज का लिया स्वाद

किसान रामप्रताप ने केंद्रीय मंत्री को ताइवान और थाईलैंड के स्वादिष्ट तरबूज का स्वाद भी दिलाया। मंत्री ने तीन तरह के रंग बिरंगे तरबूज का जायका लेते हुए कहा कि यह किसान की मेहनत का स्वाद है। उन्होंने तरबूज व अन्य सब्जी की किस्म की पैदावार की जानकारी ली और उसके तरीके के बारे में पूछा।

एमएसपी पर फसलें खरीदने में देश का पहला राज्य बना हरियाणा : राणा

यमुनानगर। लोगों की समस्याएं सुनते हुए कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा।

- कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री ने सुनीं लोगों की समस्याएं

हरिभूमि न्यूज ▸▸| यमुनानगर

हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा ने शनिवार को भाजपा के जिला कार्यालय यमुना कमल में भाजपा पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं व आमजन की समस्याओं को सुनकर उनका समाधान किया।

भाजपा जिला कार्यालय यमुना कमल में पहुंचने पर भाजपा जिला अध्यक्ष राजेश सपरा, जिला महामंत्री सुरेन्द्र बनकट व जिला मीडिया प्रभारी कपिल मनीष गर्ग ने उन्हें फूलमालाएं पहनाकर स्वागत किया। कृषि मंत्री के समक्ष छछरौली अनाज मंडी के आढ़तियों कपिल मनीष गर्ग,गौरव गोयल, कल्याण सिंह, विशाल गोयल व रणबीर सिंह ने अनाज मंडी में पेश आ रही दिक्कतों से अवगत कराया। कृषि मंत्री राणा ने कहा कि हरियाणा देश का पहला राज्य है जहां न्यूनतम समर्थन मूल्य पर अधिकतम फसलें खरीदी जा रही हैं। हरियाणा सरकार ने वर्ष 2025-26 के बजट में उन किसानों को 8 हजार रुपये प्रति एकड़ की अनुदान राशि देने का प्रावधान किया है। जो धान की खेती छोड़कर दूसरी फसलें उगाएंगे। मौके पर गौरव गोयल, प्रियंक शर्मा, अमरजीत सिंह लाड्डी व शुभम दत्ता आदि मौजूद रहे।

निगम ने चिप के जरिए हो रही 15 लाख की बिजली चोरी पकड़ी

भवन मालिकों के खिलाफ कार्रवाई करने की तैयारी

हरिभूमि न्यूज ▸▸| अंबाला

गर्मी बढ़ने के साथ ही बिजली चोरी भी बढ़ गई है। शहर और गांव में बिजली चोरी करने के लिए लोग कई हथकंडे अपना रहे हैं। मगर ये बिजली चोर निगम की आंखों में धूल नहीं झोंक पा रहे।

निगम की ऐसे लोगों के मीटर पर नजर रहती है, जिनका लोड ज्यादा है, मगर उनका बिजली का बिल कम आ रहा है। ऐसे ही मामले मई महीनों से सामने आ रहे हैं। जब निगम ने जांच में 15 लाख की चोरी पकड़ी। ये लोग मीटर को चिपनुमा और अलग से तार लगाकर बाईपास कर बिजली चोरी कर रहे थे। हैरानी की बात यह है कि इनमें ज्यादातर 5 से 10 किलोवाट के बड़े उपभोक्ता हैं। अब निगम ऐसे उपभोक्ता पर कानूनी शिकंजा कसने की तैयारी है।

लोग मीटर में छेड़छाड़ कर इसको बाईपास तो कर रहे हैं, मगर वह मैक्सिमम डिमांड इंडीकेटर (एमडीआई) से पकड़े जा रहे हैं। एमडीआई से निगम को पता लग जाता है कि वह मीटर कितने किलोवाट का है और उस पर कितना लोड चल रहा है। यही निगम ऐसे बिल पर भी नजर रखता है, जिनका बिल किलोवाट के मुकाबले कम आता है। निगम कर्मचारी ऐसे मीटर को चिह्नित करता है। मई माह में कई जगहों पर चेकिंग भी की गई। अब कई और भी ऐसे मीटर निगम की नजर में है, उन पर भी चेकिंग की जाएगी।

मीटर चेक करवाने पर खुलासा

कार्यकारी अभियंता सुखवीर सिंह ने बताया कि चालू माह में बिजली निगम ने शहर डिवीजन से 15 लाख की चोरी पकड़ी है। लोग मीटर से छेड़छाड़ कर बिजली चोरी करते हैं। जिससे मीटर रीडिंग रिकॉर्ड नहीं करता। निगम की अपनी चेकिंग में पता लगने पर मीटर चेक करवाए गए तो यह खुलासा हुआ।

लोड के मुकाबले खपत कम

दरअसल, बिजली निगम ने जब लोड के मुकाबले खपत कम आने पर मीटर को चेक कराया तो निगम टीम ने कई मीटर से चोरी पकड़ी। निगम ने पाया कि इन मीटर में लोगों ने चिपनुमा जैसे उपकरण से छेड़छाड़ की थी। लोग मीटर के अंदर ही चिपनुमा उपकरण लगा देते हैं। यही नहीं एक फेस पर लोड डाल देते हैं। मीटर से की गई यह छेड़छाड़ बाहर से नजर नहीं आती। यह उपकरण लगा होने से मीटर रीडिंग रिकॉर्ड नहीं करता। शहर डिवीजन में ही निगम ने मई माह में 10 लाख और ग्रामीण क्षेत्र में पांच लाख की चोरी पकड़ी। उस दौरान ऐसे मामले सामने आए।

युवक को अमेरिका भेजने के नाम पर हड़पे पांच लाख रुपये

यमुनानगर। बेटे को अमेरिका भेजने के नाम पर पंचकूला के टिब्बी माजरा निवासी जसविंद्र सिंह से साढ़े पांच लाख रुपये लेकर हड़प लिए गए। आरोप शहर की प्रहलादपुरी कॉलोनी निवासी आरती संधू व योगेश संधू पर लगा है।

जब जसविंद्र ने आरोपियों के खिलाफ पुलिस को शिकायत दी तो उन्होंने 50 हजार रुपये उसे लौटा दिए लेकिन बाकी रकम अब तक नहीं लौटाई। बकाया रुपये न देने पर जसविंद्र ने फिर पुलिस को शिकायत दी। शहर थाना पुलिस ने दोनों आरोपियों पर धोखाधड़ी के आरोप में केस दर्ज कर लिया है। जिला पंचकूला के टिब्बी माजरा गांव निवासी जसविंद्र सिंह ने बताया कि दो साल पहले वह अपने बेटे चेतन सैनी को रोजगार के लिए विदेश भेजना चाहता था। तब उसे पता चला था कि प्रहलादपुरी कॉलोनी निवासी आरती संधू व योगेश संधू लोगों को विदेश भेजने का काम करते है।

- पुलिस ने आरोपी दंपति के खिलाफ किया धोखाधड़ी के आरोप में केस दर्ज

वह आरोपियों से मिला। आरोपियों ने उसके बेटे को अमेरिका भेजने का आश्वासन दिया। आरोपियों ने रुपये लेने के बाद आरोपियों ने उसके बेटे को अमेरिका नहीं भेजा। इसकी शिकायत पुलिस को दी तो आरोपियों ने उसे 50 हजार रुपये दे दिए। बाकी रुपये दस दिन में लौटाने का वायदा किया था। लेकिन अब तक आरोपियों ने उसे रुपये नहीं लौटाए। जब उसने आरोपियों से संपर्क किया तो उन्होंने रुपये देने से मना कर दिया।

नागरिक अस्पताल में मिले गंदगी के ढेर निदेशक ने पीएमओ को लगाई फटकार

- कोरोना को लेकर अंबाला शहर व अंबाला कैंट नागरिक अस्पताल का निदेशक ने किया मुआयना

हरिभूमि न्यूज ▸▸| अंबाला

कोरोना को लेकर राज्य स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान (एसआईएचएफडब्ल्यू) की डायरेक्टर डॉक्टर वंदना मोहन ने शनिवार को अंबाला शहर और अंबाला कैंट के नागरिक अस्पताल का मुआयना किया। इस दौरान उन्होंने दोनों जगह अस्पतालों का निरीक्षण किया। जांच के दौरान उन्हें सरकारी अस्पतालों में गंभीर खामियां मिली।

उन्हें अंबाला शहर के नागरिक अस्पताल में जांच के दौरान जगह-जगह गंदगी के ढेर मिले। इसके लिए उन्होंने पीएमओ की फटकार भी लगाई है। जांच के दौरान प्रसव विभाग के मुख्य द्वार पर पुरूष के कपड़े सूखते नजर आए। कोरोना को लेकर भी सिर्फ खानापूर्ति मिली। इस दौरान अस्पताल में बनाए गए फ्लू ओपीडी में कोई चिकित्सक नहीं मिला। जबकि निर्देशों के अनुसार रोजाना खांसी जुकाम के मरीजों की जांच अनिवार्य की हुई है।

बता दें कि हाल ही में निदेशालय से निर्देश दिए थे कि अस्पतालों में सफाई कर्मचारी सिर्फ सफाई का काम करेंगे। इसके बाद भी अस्पताल प्रबंधन आदेशों की अनुपालना नहीं कर रहा है। डायरेक्टर सुबह 11. 30 बजे अंबाला कैंट के नागरिक अस्पताल पहुंची थी।

अंबाला। नागरिक अस्पताल में व्यवस्थाओं का जायजा लेते स्वास्थ्य निदेशक।

अधिकारियों को निर्देश

यहां निरीक्षण के दौरान उन्होंने कोरोना की तैयारियों को देखा। सबसे पहले आईपीडी ब्लॉक के ग्राउंड फ्लोर पर बनी फ्लू ओपीडी को देखा। बाद में अस्पताल की लैब में जाकर सैंपलिंग की व्यवस्था को देखा। डॉक्टर वंदना मोहन ने कोरोना की गाइड लाइन को लेकर भी दिशा निर्देश दिए। बाद में डॉक्टरों के साथ भी बैठक की।

राजकीय कन्या विद्यालय में पिंक टॉयलेट की स्थापना

पिहोवा। रोटरी क्लब पिहोवा ने "पिंक टॉयलेट अभियान" के अंतर्गत राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, पिहोवा में एक नया और स्वच्छ टॉयलेट स्थापित किया। यह टॉयलेट विद्यालय के प्रिंसिपल श्री विश्व बंधु कौशिक और स्कूल प्रशासन के विशेष आग्रह पर स्थापित किया गया। रोटरी क्लब के सदस्यों ने जब विद्यालय का निरीक्षण किया तो पाया कि लगभग 605 छात्राओं के लिए शौचालय तो थे, लेकिन संख्या में थोड़े थे। इस आवश्यकता को देखते हुए क्लब ने एक नया टॉयलेट बनवाया, जिससे छात्राओं को बड़ी राहत मिली। इस अवसर पर क्लब के प्रेसिडेंट दीपक बावेजा ने बताया कि रोटरी क्लब समाज सेवा के अनेक क्षेत्रों में कार्य करता रहा है, परंतु शिक्षा को विशेष प्राथमिकता देते हुए क्लब ने कई स्कूलों में स्टेशनरी, बेंच, वाटर कूलर और सेनेटरी नैपकिन प्रदान किए है।

फर्जी हस्ताक्षर से बैंक में खोला महिला के नाम पर खाता

यमुनानगर। कुरूक्षेत्र निवासी बचनी देवी ने गांव पोटली निवासी जरनैल सिंह पर उसके जाली हस्ताक्षर करके बैंक में उसके नाम से अकाउंट खोलकर आईओसी द्वारा भुगतान किए गए किराये की राशि हड़पने का आरोप लगाया है।

आरोप है कि आरोपी ने उसके साथ हिस्सेदारी में पेट्रोल पंप खोला मगर जांच करने पर दस्तावेजों में उसकी हिस्सेदारी नहीं मिली। पुलिस ने मामले की जांच के बाद आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी के आरोप में केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। बचनी देवी ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि एक जनवरी 2003 में आरोपी जरनैल सिंह ने उसे आईओसी के पेट्रोल पंप के डीलरशिप का व्यवसाय शुरू करने का प्रस्ताव दिया था। आरोपी के वायदे पर भरोसा करके उसने पांच कनाल11 मरले जमीन खरीदी। उन्होंने आईओसी को यह जमीन 29 वर्ष के लिए पट्टे पर दी थी। इसके बाद उसने आईओसी पेट्रोल पंप प्राप्त करने के लिए अपने हिस्से का 15 लाख रुपये का भुगतान किया। पेट्रोल पंप शुरू होने के बाद आईओसी उसे व आरोपी जरनैल सिंह को चेक के माध्यम से मासिक किराया देता था। आरोपी पेट्रोल पंप डीलरशिप खाते में जमा करवाने के लिए उससे चेक लेता था। लेकिन उसे आईओसी से कोई किराया प्राप्त नहीं हुआ।

- आईओसी द्वारा भुगतान की गई किराया की राशि हड़पने का आरोप

राजेश खन्ना ने वर्ल्ड मास्टर्स गेम्स में जीता कांस्य पदक

- यह प्रतियोगिता ताइवान में 17 से 30 मई तक आयोजित हुई
- प्रतियोगिता में करीब 130 देशों के 25000 खिलाड़ियों ने भाग लिया

हरिभूमि न्यूज ▸▸| करनाल

वर्ल्ड मास्टर गेम्स 2025 में करनाल निवासी राजेश खन्ना ने 50+ कैटेगरी में 4x400 रिले रेस में कांस्य पदक जीता। यह प्रतियोगिता ताइवान में 17 से 30 मई तक आयोजित हुई। इसमें वर्ल्ड के लगभग 130 देशों के 25000 खिलाडि़यों ने भाग लिया।

यह प्रतियोगिता ओलंपिक की तरह हर चार साल में आयोजित होती है। 2021 में जापान में प्रतियोगिता का आयोजन कोरोना के कारण स्थगित हो गया था। अब 2029 में ऑस्ट्रेलिया के पर्थ में प्रतियोगिता आयोजित होगी। राजेश खन्ना इससे पहले भी कई राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग ले चुके हैं और कई मेडल प्राप्त किए हैं। उन्होंने 2016 मे ऑस्ट्रेलिया में पेन पैसेफिक मास्टर्स गेम्स में एक सिल्वर और एक ब्रॉन्ज मेडल, 2018 मे मलेशिया में एशिया पैसिफिक मास्टर्स गेम्स में एक सिल्वर और एक ब्रॉन्ज मेडल, सिंगापुर में 2015 सिंगापुर मास्टर्स एथलेटिक्स चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीत चुके हैं। वह भारतीय वायु सेना से रिटायर्ड है। फिलहाल एल्डिको कंपनी पानीपत में मैनेजर के पद पर कार्यरत है। वह कई राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में पदक जीतकर अपने देश -प्रदेश व करनाल का नाम रोशन कर चुके हैं।

गांव सुभरी के तालाब नंबर 133 की भूमि पर कब्जे का मामला

घर तोड़ने के नोटिस से बीपीएल परिवारों में हड़कंप

- लोगों ने सीएम नायब सैनी से लगाई राहत की गुहार

हरिभूमि न्यूज ▸▸| बराड़ा

गांव सुभरी के तालाब नंबर 133 की भूमि पर बने मकानों को तोडऩे के प्रशासनिक आदेशों के बाद से गांव में अफरा-तफरी मची हुई है। प्रशासन द्वारा कब्जा हटाने के लिए जारी किए गए नोटिस से कब्जाधारी परिवारों की रातों की नींद उड़ गई है।

इन पीड़ित बीपीएल परिवारों ने मुख्यमंत्री नायब सैनी से हस्तक्षेप कर राहत दिलाने की अपील की है। करीब 40 सालों से तालाब की जमीन पर बसे ये परिवार अब अपने भविष्य को लेकर बेहद चिंतित हैं। गांव के सत्या, ऋषिपाल, मामचंद, लक्ष्मण, सिंघराम, फूलचंद, दर्शन, विक्रम, निर्मल समेत अन्य ग्रामीणों ने बताया कि वे कई दशकों से इस भूमि पर रह रहे हैं। अब अचानक उन्हें उजाडऩे की तैयारी हो रही है। गौरतलब है कि यह विवाद 2017 में शुरू हुआ था, जब गांव के कुछ लोगों ने तालाब नंबर 133 पर कब्जे की शिकायत प्रशासन से की थी। मामला एसडीएम कोर्ट पहुंचा और वर्ष 2021 में अदालत ने बीडीपीओ को कब्जा हटाने के आदेश दे दिए। इस आदेश में दो अलग-अलग मुकदमे शामिल थे। एक केस में 32 नाम तो दूसरे केस में 12 नाम दर्ज थे। बावजूद इसके किसी भी परिवार ने अब तक कब्जा नहीं छोड़ा। 2023 में भी हालात जस के तस बने रहे। अब प्रशासन ने 23 मई 2025 को सभी कब्जाधारियों को उनके दस्तावेजों सहित तलब कर स्पष्ट निर्देश दिए कि तालाब की भूमि को खाली किया जाए।

बराड़ा (अंबाला)। सुभरी में पीड़ित परिवार अपना दुखड़ा सुनाते हुए।

तालाब का किया जाएगा सौंदर्यीकरण : प्रशासन

प्रशासन का यह भी कहना है कि इस तालाब का सौंदर्यकरण 'अमृत सरोवर योजना' के तहत किया जाना है। इसके लिए भूमि को कब्जा मुक्त कराना आवश्यक है। पीड़ित परिवारों का कहना है कि वे अधिकतर गरीबी रेखा के नीचे जीवन बसर कर रहे हैं। यदि उनके मकान तोड़े जाते हैं, तो उनके पास रहने के लिए कोई और जगह नहीं है। यही चिंता उन्हें रातभर सोने नहीं देती। वे लगातार यही सोचकर परेशान हैं कि वे अब कहां जाएंगे, बच्चों का क्या होगा, बुजुर्गों को कहां पनाह मिलेगी ? अब गांववाले सीएम नायब सैनी से उम्मीद लगाए बैठे हैं कि वे इस संकट का समाधान निकालेंगे। वर्षों से बसे इन गरीब परिवारों को राहत दिलाएंगे।

बीपीटी की परीक्षा में कनिका ने विश्वविद्यालय में पाया प्रथम स्थान

यमुनानगर। टीडीटीआर डीएवी इंस्टीट्यूट ऑफ फिजियोथेरेपी एंड रिहैबिलिटेशन यमुनानगर के विद्यार्थियों ने पंडित बीडी शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय रोहतक द्वारा आयोजित बैचलर ऑफ फिजियोथेरेपी (बीपीटी) की वार्षिक परीक्षा 2024 के घोषित परिणाम में उत्कृष्ट स्थान हासिल किया है। इस परीक्षा में संस्थान की बीपीटी फाइनल ईयर की छात्रा कनिका शर्मा ने विश्वविद्यालय स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त कर संस्थान व जिले का नाम रोशन किया है।

संस्थान के प्राचार्य डॉ. हिमांशु शेखर बेहेरा ने बताया कि बीपीटी तृतीय वर्ष की छात्रा अर्शिया कंबोज ने भी प्रथम स्थान प्राप्त किया है। जबकि बीपीटी प्रथम वर्ष की परीक्षा में साक्षी ने प्रथम, शीतल ने द्वितीय व गौरिका होंडा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया है।

एसडीएम ने मॉक ड्रिल की हर गतिविधि पर रखी पैनी नजर

ऑपरेशन शील्ड की मॉक ड्रिल में सायं 5 बजे सायरन बजने से सभी हो गए सचेत एवं सतर्क

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

नागरिक सुरक्षा अभ्यास-2 के तहत शनिवार शाम 5 बजे जिला लघु सचिवालय में ऑपरेशन शील्ड को लेकर मॉक ड्रिल का आयोजन हुआ। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के चेयरमैन एवं डीसी उत्तम सिंह के मार्गदर्शन में जिला में योजनाबद्ध तरीके से नागरिक सुरक्षा अभ्यास किया गया, जिसमें आपदा की स्थिति में हुई जान माल की रक्षा के लिए पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित की गई।

इस मौके पर एसडीएम अनुभव मेहता ने बताया कि गृह मंत्रालय भारत सरकार व हरियाणा द्वारा आयोजित नागरिक सुरक्षा अभ्यास-2 के तहत करनाल जिला में नागरिक सुरक्षा तंत्र और आपातकालीन प्रतिक्रिया का परीक्षण और सुदृढ़ीकरण करने के उद्देश्य से मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। मॉक ड्रिल में सायं 5 बजे साइरन के साथ लघु सचिवालय में ऑपरेशन शील्ड का अभ्यास शुरू हुआ और जिन भवनों में प्रथम, द्वितीय व तृतीय तल पर लोग मौजूद थे। वे तुरंत प्रभाव से भू तल पर आ गए और सुरक्षित स्थानों पर पहुंच गए। जहां कहीं भी आपदा की स्थिति के दौरान लोग ऊपरी तलों पर फंस गए थे, उन्हें सुरक्षित तरीके से फायर बिग्रेड कर्मियों, एसडीआरएफ, एनसीसी, वाईआरसी, पुलिस व आपदा मित्रों द्वारा नीचे उतारा गया और इलाज के लिए निकटवर्ती अस्पताल में पहुंचाया गया।

नागरिक सुरक्षा अभ्यास-2 के तहत मॉकड्रिल का प्रदर्शन करते पुलिस कर्मी।

मॉकड्रिल की जनकारी अधिकारी और सुरक्षा प्रदर्शन करते पुलिस कर्मचारीह।

आमजन को जागरूक करने के लिए की गई मॉक

एसडीएम अनुभव मेहता ने बताया कि शाम 5 बजे सायरन बजाकर सरकारी विभागों और स्वयंसेवकों सहित सभी हितधारकों को शामिल करते हुए महत्वपूर्ण लघु सचिवालय में मॉक ड्रिल ऑपरेशन शुरू किया गया। उन्होंने बताया कि इस मॉक ड्रिल के माध्यम से लोगों को जागरूक किया गया कि ऐसी स्थिति आने पर आश्रय के रूप में एक सुरक्षित आंतरिक कमरे या तहखाने की पहचान करें। फॅमिली ड्रिल्स का अभ्यास करें, लाइट बंद करें, 1-2 मिनट के भीतर सुरक्षित क्षेत्र में एकत्र हों। उन्होंने आमजन से अपील की है कि किसी तरह की अफवाह पर ध्यान न दें।

क्षेत्र की गतिविधियों की रिपोर्ट तत्काल पुलिस को दें :एसडीएम

एसडीएम अनुभव मेहता ने बताया कि यह मॉक ड्रिल आपातकालीन स्थिति में क्या करें और क्या न करें और क्या-क्या सावधानियां बरतने के उद्देश्य से करवाई गई है। उन्होंने आमजन से आह्वान किया वे अपने क्षेत्र में होने वाली किसी भी संदिग्ध गतिविधि की रिपोर्ट तुरंत पुलिस और स्थानीय अधिकारियों को दें। उन्होंने बताया कि इस अभ्यास का उद्देश्य राज्य में इमरजेंसी तैयारियों को देखना और युद्ध या हवाई जहाज व ड्रान हमले की सूरत में जवाब देने की क्षमता को बढ़ाना है। इसके अलावा संकट के समय जल्द और सही मदद हो सके, आम लोगों, सुरक्षा बलों और प्रशासन के बीच बेहतर तालमेल सुनिश्चित करना है। साथ ही नागरिकों को किसी भी आपात स्थिति के लिए तैयार करना तथा विकट स्थिति के दौरान बड़े पैमाने पर दहशत की संभावना को कम करना है। इस दौरान डीएसपी नायब सिंह, रेडक्रॉस सोसायटी के सचिव कुलबीर मलिक, जिला सैनिक बोर्ड के प्रतिनिधि अनिल कथुरिया, शिक्षण संस्था के प्रतिनिधि व अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

ब्लैक आउट की अपील

मॉक ड्रिल के मद्देनजर एसडीएम अनुभव मेहता ने प्राधिकरण के सभी सदस्यों सहित अन्य गणमान्य के साथ बैठक की और आपदा की स्थिति से निपटने के लिए किए जाने वाले प्रबंधों की समीक्षा की। जिले के शहरी व ग्रामीण क्षेत्र में शनिवार की शाम 8:00 से 8:15 बजे तक मॉक ड्रिल में ब्लैक आउट करने की अपील भी की गई है। उन्होंने आमजन से अपील की है कि वे अपने घर की लाइट उक्त अवधि में बंद रखें और इंडोर व आउटडोर की लाइट जिसमें इन्वर्टर से भी बिजली आपूर्ति चालू न रखें।

खबर संक्षेप

शम्मी बंसल बने फुटवियर एवं चमड़ा उद्योग के सदस्य

करनाल। देश के जाने माने समाजसेवी और उद्योगपति लिबर्टी समूह के एमडी शम्मी बंसल को भारत सरक ार ने वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के तहत फुटवियर एवं चमड़ा उद्योग विकास परिषद के सदस्य के रूप में नियुक्त किया है। देश भर में शूज एवं चमड़ा उद्योग में अपना सिक्का जमाने वाली लिबर्टी शूज कंपनी के एमडी एंव वीबीसीटी के अध्यक्ष शम्मी बंसल की क्षमताओं पर भरोसा जताते हुए केंद्र सरकार ने उन्हें बड़ी जिम्मेदारी देते हुए वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के तहत फुटवियर एवं चमड़ा उद्योग विकास परिषद के सदस्य के रूप में नियुक्त किया है।

टेनिस में दयाल सिंह स्कूल का शानदार प्रदर्शन

करनाल। दयाल सिंह पब्लिक स्कूल, मैन ब्रांच, करनाल के प्रतिभावान विद्यार्थियों ने जिला टेनिस अकैडमी द्वारा 25 से 26 मई 2025 को आयोजित जिला टेनिस चैंपियनशिप में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय का नाम रोशन किया है। आरजू कक्षा दशमी ने अंडर-16 व अंडर-18 दोनों श्रेणियों में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। आरव कक्षा छठी ने अंडर-14 श्रेणी में द्वितीय स्थान हासिल किया। इन छात्रों की कठिन मेहनत, अनुशासन और खेल भावना ने विद्यालय को गौरवान्वित किया है। विद्यालय की प्राचार्या सुषमा देवगन एवं मुख्य अध्यापिका प्रिया कपूर ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएँ दी।

प्रताप पब्लिक स्कूल में नो तंबाकू दिवस मनाया

तरावड़ी। विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा हर साल 31 मई को नो टोबैको डे के रूप में मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य लोगों को तंबाकू के सेवन से होने वाले खतरों के प्रति जागरूक करना है। इस अवसर पर प्रताप पब्लिक स्कूल में एक विशेष आयोजन किया गया, जिसमें छात्रों ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से तंबाकू के हानिकारक प्रभावों को उजागर किया। कार्यक्रम में छात्रों ने तंबाकू सेवन से होने वाली स्वास्थ्य समस्याओं, लत, और सामाजिक परिणामों को दर्शाया। छात्रों के प्रदर्शन ने दर्शकों को आकर्षित किया और उन्हें तंबाकू के सेवन से होने वाले खतरों के प्रति जागरूक किया।

विश्व तम्बाकू निषेध दिवस: नशा मुक्त हरियाणा जहां दूध दही का खाना

प्रतिदिन तम्बाकू के कारण 3699 हो रही हैं मृत्यु, आज ही छोड़ें तंबाकू

हरियाणा राज्य नारकोटिक्स कण्ट्रोल ब्यूरो ने विश्व तम्बाकू निषेध दिवस पर आयोजित किए कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

हरियाणा राज्य नारकोटिक्स कण्ट्रोल ब्यूरो द्वारा विश्व तम्बाकू निषेध दिवस पर करनाल में नशे के विरुद्ध विशेष अभियान चलाकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। ब्यूरो के डीजीपी ओपी सिंह, के दिशानिर्देशों एवं एसपी मोहित हांडा और एसपी श्रीमती पंखुड़ी कुमार के नेतृत्व में नशे के विरुद्ध प्रतिदिन कार्यक्रम किये जा रहे हैं। ब्यूरो के जागरूकता कार्यक्रम एवं पुनर्वास प्रभारी/ एएसआई डॉ. अशोक कुमार वर्मा साइकिल पर चलकर इस अभियान को गांव गांव तक पहुंचा रहे हैं। वे आज सनातन धर्म वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय पहुंचे और नशे के विरुद्ध जागरूकता कार्यक्रम किया। ब्यूरो के जागरूकता कार्यक्रम एवं पुनर्वास प्रभारी/ उप निरीक्षक डॉ. अशोक कुमार वर्मा ने कहा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार विश्व में प्रति वर्ष तंबाकू के कारण 80 लाख लोगों की मृत्यु हो जाती है। इतना ही नहीं 13 लाख ऐसे लोग हैं जो स्वयं तंबाकू का सेवन नहीं करते लेकिन उनके पास रहते हैं जो सेवन कर रहे होते हैं। इसमें विशेष रूप से बालक, वृद्ध और महिलाएं विशेष रूप से होती हैं। यदि हम भारत की बात करते हैं तो भारत में प्रति वर्ष लगभग 17 लाख लोग तंबाकू के कारण अपने प्राण गंवाते हैं। एक लेख के अनुसार प्रति दिन तम्बाकू के कारण भारत में 3699 मृत्यु हो रही हैं तो दूसरी और प्रत्येक 4 सेकंड में एक बालक की मृत्यु केवल ऐसे लोगों के संपर्क में होने के कारण होती हैं जो उनके पास रहकर धूम्रपान करते हैं। उन्होंने आगे कहा कि आज सिगरेट और हुक्का परिवर्तित रूप में हमारे सामने आ चूका है और वो है इ-सिगरेट और इ-हुक्का जो प्रतिबंधित है। आज भी लोगों की धारणा है कि हुक्का भाईचारे का प्रतीक है जबकि यह मिथ्या है। यदि हुक्का हमारी सभ्यता और संस्कृति का अंग होता तो इसका वर्णन वेद ग्रन्थ और शास्त्रों में अवश्य होता। उन्होंने कहा कि कोई भी नशा मनुष्य के स्वास्थ्य के लिए अच्छा नहीं होता। उन्होंने कहा कि यदि नशा होता अच्छा तो सबसे पहले माँ देकर कहती ले खा ले मेरे बच्चा। उन्होंने आगे बताया कि भारत को ड्रग फ्री करने के लिए सरकार ने 1933 अथवा पोर्टल अथवा हरियाणा के लिए 9050891508 जारी किया है। इस पर कोई भी व्यक्ति नशे के विरुद्ध गुप्त सूचनाएं देकर सच्चे नागरिक का कर्तव्य निर्वहन कर सकता है। कार्यक्रम में शपथ ग्रहण करवाई गयी। उन्होंने कहा नशा छोडऩे के लिए भी सम्पर्क कर सकते हैं।

करनाल। नशे के खिलाफ विद्यार्थियों को जागरूक करते एसपी मोहित हांडा। फोटो : हरिभूमि

ई-सिगरेट और ई-हुक्का है प्रतिबंधित

आज सिगरेट और हुक्का परिवर्तित रूप में हमारे सामने आ चूका है और वो है ई-सिगरेट और ई-हुक्का जो प्रतिबंधित है। आज भी लोगों की धारणा है कि हुक्का भाईचारे का प्रतीक है जबकि यह मिथ्या है। यदि हुक्का हमारी सभ्यता और संस्कृति का अंग होता तो इसका वर्णन वेद ग्रन्थ और शास्त्रों में अवश्य होता। उन्होंने कहा कि कोई भी नशा मनुष्य के स्वास्थ्य के लिए अच्छा नहीं होता।

इंद्री। राजकीय मॉडल संस्कृति प्राथमिक पाठशाला इंद्री में बच्चों को स्टेशनरी वितरित करते मास्टर महेंद्र खेड़ा। फोटो : हरिभूमि

बच्चों मे गुणों का विकास करना ही शिक्षा है : महेंद्र खेड़ा

इंद्री। राजकीय मॉडल संस्कृति प्राथमिक पाठशाला इंद्री में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया । जिसमें स्कूल के 30 बच्चों ने भाग लिया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में अपनी प्रस्तुति देने वाले बच्चों को स्टेशनरी वितरित करते हुए पर्यावरण मित्र मास्टर महेंद्र खेड़ा ने कहा कि बच्चों में झिझक होने के कारण वह अपने व्यक्तित्व का विकास नहीं कर पाते। उन्होंने कहा कि बच्चों के अंदर से झिझक व डर दूर करने के लिए उनके साथ मित्र जैसा व्यवहार करना जरूरी है ताकि वह अपने भाव सहजता के साथ प्रस्तुत कर सके। बच्चों को इस बात का एहसास कराया जाना चाहिए कि वह हर कार्य कर सकते हैं । महिंद्र कुमार ने बच्चों में जोश भरते हुए कहा जिस प्रकार कुदरत ने धरती पर विभिन्न प्रकार की प्रजातियों के फूल पौधे और जीव जंतुओं का निर्माण किया है इसी प्रकार हर इंसान में भी अलग-अलग गुण और रुचि में पाई जाती है। उन्होंने कहा कि गुणों का विकास और रुचियां का विस्तार करना ही शिक्षा है। उन्होंने बच्चों से छुट्टियों के दौरान अपने आसपास के सामाजिक और प्राकृतिक वातावरण को समझने पर बल दिया।

नरेश पाल को मिली संरक्षक की जिम्मेदारी

करनाल। रेजीडेंसी वेलफेयर एसोसिएशन सेक्टर 32 की मीटिंग में विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई। सर्वसम्मति से पार्षद प्रतिनिधि नरेश पाल को रेजिडेंसी वेलफेयर एसोसिएशन सेक्टर 32 करनाल का संरक्षक बनाया गया। प्रधान मनोज सचदेवा व सचिव नीरज शर्मा द्वारा उन्हें नियुक्ति पत्र सौंपा गया। संरक्षक नरेश पाल ने कहा कि जिस यकीन के साथ उन्हें यह पद सौंपा गया है उस पर खरा उतरते हुए वह एसोसिएशन के लिए कार्य करेंगे। रेजीडेंसी निवासियों की समस्याओं को हल करवाने के लिए भरसक प्रयास करेंगे। प्रधान मनोज सचदेवा ने कहा कि एसोसिएशन का गठन स्थानीय निवासियों की दिक्कतों को दूर करने के लिए किया गया था। सदस्यों के साथ मिलकर समस्याओं का हल करने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं। इस मौके पर मंजुल मिश्रा उपप्रधान,अरविंद कुमार सह-सचिव ,संजीव कुमार कोषाध्यक्ष ,मयंक आहूजा सदस्य, प्रदीप वोहरा सदस्य ,संजीव राणा सदस्य,सुदर्शन चौधरी सचिव लीगल सेल, अनुज टूरण सदस्य, विशाल सदस्य, स्पर्श चौहान सदस्य व अवनीश गौतम आदि मौजूद रहे।

करनाल से श्री खाटू श्याम और सालासर बालाजी धाम के लिए बस यात्रा रवाना

- धार्मिक स्थलों की यात्रा अच्छे संस्कार और विचारों में परिवर्तन लाने में मदद करती : प्रमोद मंगला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

श्री श्याम बालाजी दर्शन सेवा समिति की ओर से हर माह की भांति इस बार भी अग्रोहा धाम, श्री सालासर बालाजी, श्री खाटू श्याम धाम के लिए बस यात्रा रवाना हुई। यात्रा में श्रद्धालुओं ने बढ़चढकर भाग लिया। समिति के अध्यक्ष प्रमोद मंगला, मुख्य सेवक विकास गर्ग व अन्य सदस्यों द्वारा विधि-विधान से नारियल फोडकर बस यात्रा का शुभारंभ किया। इसके बाद सभी को प्रसाद वितरित किया गया। जय श्री श्याम, हारे के सहारे की जय जयघोष के साथ बस यात्रा रवाना हुई। प्रमोद मंगला ने कहा कि जो भी व्यक्ति बाबा श्याम के दर्शन करता है उसकी सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती है। इस कलयुग में श्याम बाबा अपने भक्तों के लिए सहारा बन रहे है। हमें अपने बुजुर्गो व बच्चों को धार्मिक यात्राएं करवानी चाहिए। धार्मिक यात्रा से मन को शांति और सुख-समृद्धि की प्राप्ति होती है। धार्मिक स्थलों की यात्रा अच्छे संस्कार और विचारों में परिवर्तन लाने में मदद करती है। मुख्य सेवक विकास गर्ग ने कहा कि श्री श्याम बालाजी दर्शन सेवा समिति पिछले कई वर्षों से निःस्वार्थ भाव से श्रद्धालुओं को धार्मिक यात्रा करवा रहे है।

नेशनल एडवेंचर एवं नेचर स्टडी कैंप आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

हरियाणा स्कूल शिक्षा परियोजना परिषद पंचकुला के अंतर्गत यूथ एंड इको क्लब फॉर मिशन लाइफ प्रोग्राम के तहत हरियाणा प्रदेश के कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालयों से 259 विधार्थियों एवं एस्कॉर्ट टीचर्स ने 23 मई से 29 मई तक हरियाणा स्कूल शिक्षा परियोजना परिषद द्वारा आयोजित दूसरे ग्रुप में सात दिवसीय नेशनल एडवेंचर एवं नेचर स्टडी कैंप पचमढ़ी, मध्य प्रदेश में प्रतिभागिता की। जिला परियोजना समन्वयक, करनाल ज्योत्सना मिश्रा ने बताया कि हरियाणा के सभी जिलों के कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों से कक्षा छठी से 12वीं तक के कुल 775 प्रतिभाशाली बालिकाओं का चयन किया गया जिन्हें 3 समूहों में स्कूलवार एक एस्कॉर्ट टीचर को साथ भेजा गया। सतपुड़ा के घने जंगलों के बीच स्थित नेशनल एडवेंचर इंस्टिट्यूट पंचमढ़ी में हरियाणा शिक्षा विभाग द्वारा भेजी गई इस टीम ने विभिन्न साहसिक गतिविधियों में भाग लिया । इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों को प्रकृति से जुड़ने के साथ जंगल, पहाड़, झरने एवं प्राचीन स्थलों को देखने का मौका मिला। कार्यक्रम में इन गतिविधियों के साथ-साथ शाम को कैंप फायर एक्टिविटी के दौरान सांस्कृतिक कार्यकमों का भी आयोजन किया गया, जिसमें प्रत्येक जिले से आए हुए छात्राओं ने अपनी कला के रंग बिखेरे। हरियाणा राज्य की ओर से स्टेट टीम से रिसोर्स पर्सन के रूप में डॉ सचिन असिस्टेंट प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर करनाल, संदीप कुमार ललित कला प्राध्यापक राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय नलवा, संजीव कुमार संस्कृत प्राध्यापक राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय काचवा करनाल, सुशील कुमार प्राथमिक शिक्षक राजकीय प्राथमिक विधालय जानी करनाल ने दूसरे ग्रुप में भाग लिया।

स्काउट एवं गाइड्स के बारे में विस्तृत जानकारी दी

कार्यक्रम दलनायक श्रवण सिंह ने बताया कि इस कार्यक्रम में छात्राओं एवं एस्कॉर्ट टीचर्स को स्काउट एवं गाइड्स के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई एवं किस प्रकार से विद्यार्थी स्काउट में अपना भविष्य बना सकते संपूर्ण रूपरेखा से अवगत कराया गया। रिसोर्स पर्सन गीता दहिया ने बताया कि इस दौरान विद्यार्थियों को बहुत सी एडवेंचर एक्टिविटी करवाई गई जिसमें रॉक क्लाइंबिंग, रेपलिंग, बोट राइडिंग, ट्रैकिंग आदि गतिविधियां शामिल रही।

भारत विकास परिषद् शाखा पड़वाला ने स्कूल को समर्पित किया वाटर कूलर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तरावड़ी

भारत विकास परिषद् शाखा पड़वाला द्वारा अध्यक्ष रामपाल लाठर की अध्यक्षता में गुप्त रूप से मिले वाटर कूलर को राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल सौंकड़ा में स्कूल को समर्पित किया। जिसमें अध्यक्ष रामपाल लाठर द्वारा स्कूल की बच्ची शिवानी ने शीतल वाटर कूलर का रिबन काट कर अनावरण किया। शाखा अध्यक्ष रामपाल लाठर ने गुप्त रूप से शीतल जल वाटर कूलर देने वाले परिवार का धन्यवाद किया ओर स्कूल के बच्चों हरप्रीत , नेहा, तमन्ना एंड पार्टी ने स्वागत गीत द्वारा भारत विकास परिषद् शाखा पड़वाला के सदस्यों का स्वागत किया। मुख्य रूप से अध्यक्ष रामपाल लाठर ने स्कूल में दसवीं कक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली तीन बच्चियों सीता 90त्न, लाजो 88त्न, सुहाना 87त्न को 500-500 रुपये देकर सम्मानित किया गया। स्कूल प्रिंसिपल डॉ अशोक कुमार द्वारा मुख्य अतिथि व भारत विकास परिषद् शाखा पड़वाला के सदस्यों का फुल माला से स्वागत किया और बच्चों के लिए शीतल जल सेवा के लिए धन्यवाद किया। सचिव रणजीत भारद्वाज ने कहा कि हमे तरावड़ी शहर के उद्योगपतियों व समाजसेवियों का सहयोग हमेशा मिलता रहता है। गुप्त रूप से शीतल जल वाटर कूलर देने वाले परिवार को सहयोग के लिए धन्यवाद किया। इस मौके पर प्रिंसिपल डॉ अशोक कुमार, अध्यक्ष रामपाल लाठर, सचिव रणजीत भारद्वाज, कोषाध्यक्ष बलजिंदर कम्बोज , बलवन्त सिंह, सन्दीप सिंह, बलकार सिंह आदि रहे।

तरावड़ी। वाटर कूलर का शुभारंभ करते अध्यक्ष रामपाल लाठर व स्कूल के बच्चें।

हरियाणा बटालियन एनसीसी उप अधीक्षक सेवानिवृत हुए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

उच्चतर शिक्षा विभाग, पंचकूला तथा भारतीय सेना, भारत द्वारा संचालित 7 हरियाणा बटालियन एनसीसी, करनाल में कार्यरत उप अधीक्षक पाला राम ने 33 वर्षों की सिविल सेवा पूर्ण कर सेवानिवृत्ति प्राप्त की। इस अवसर पर बटालियन परिसर में उन्हें भावभीनी विदाई दी गई।

इस अवसर पर दयाल सिंह पब्लिक स्कूल के ब्रांच सेकंड ऑफिसर डॉ. केवल कृष्ण ने उन्हें शुभकामनाएं दीं और बताया कि बटालियन के लेफ्टिनेंट कर्नल एस.एस. नेगी सहित पीआई स्टाफ, सिविल स्टाफ जैसे सहायक शशि शर्मा, लिपिक कुलदीप, प्रमोद, अजय, मोहन राणा, कमलजीत व अन्य ने पाला राम को स्मृति चिह्न भेंट कर पुष्पमालाओं से विदाई दी।

कॉमर्स में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर अपर्णदीप सम्मानित

त्याग, सेवा और सहनशीलता की मिसाल है गुरु अर्जन देव जी का जीवन : जगदीश सिंह

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

हरियाणा सिख गुरूद्वारा मैनेजमैंट कमेटी के नवनियुक्त प्रधान जगदीश सिंह झींडा ने कहा कि गुरु अर्जन देव जी ने अत्याचार के विरुद्ध सत्य, धर्म और मानवता के मार्ग पर अडिग रहते हुए अपना बलिदान दिया। उनका जीवन त्याग, सेवा और सहनशीलता की मिसाल है। धर्म की रक्षा और सामाजिक सौहार्द्र के लिए दिया गया उनका बलिदान युगों तक समस्त मानव जाति को सच्चाई, साहस और करुणा के पथ पर चलने की प्रेरणा देता रहेगा। हरियाणा सिख गुरूद्वारा मैनेजमैंट कमेटी के नवनियुक्त प्रधान जगदीश सिंह झींडा शीशगंज गुरूद्वारे में सिख संगत को संबोधित कर रहे थे। गुरूद्वारा मैनेजमैंट कमेटी के नवनियुक्त प्रधान जगदीश सिंह झींडा ने सबसे पहले गुरू के सजे दरबार में मत्था टेककर अरदास की। इसके बाद उन्होंने कॉमर्स संकाय में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले कैथल जिले के अर्पणदीप सिंह को भी स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। झींडा ने कहा कि ये होनहार विद्यार्थी पूरे हरियाणा के लिए गौरव का विषय हैं और युवा पीढ़ी को प्रेरणा देने वाले आदर्श बनकर उभरा हैं। इस अवसर पर मैनेजमैंट कमेटी की सदस्य बीबी कपूर कौर सौंकड़ा, करनैल सिंह निमरबाद, गुरनाम सिंह लाडी, गुलाब सिंह मुणक, बलविंद्र सिंह भिंडर, बलदेव सिंह हाबड़ी के अलावा नच्छतर सिंह सौंकड़ा, सुरेंद्र सिंह सोनू रंबा, मैनेजर प्रीतम सिंह, गुरप्रताप सिंह विर्क, सर्बजीत सिंह संधू, इकबाल सिंह आदि रहे।

करनाल। हरियाणा सिख गुरूद्वारा मैनेजमैंट कमेटी के नवनियुक्त प्रधान जगदीश सिंह झींडा सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

खबर संक्षेप

बाल संस्कार चेतना शिविर आज से

पानीपत। श्री राम सेवा दल नूरवाला द्वारा दूसरा निःशुल्क बाल संस्कार चेतना शिविर अभिनन्दनम का आयोजन श्री राम धर्मशाला नूरवाला में 1 से 10 जून तक किया जा रहा है। यह जानकारी देते हुए श्री राम सेवा दल के प्रधान हरबंस आनंद, यूथ विंग के प्रधान अविनाश पुनानी व महिला विंग की प्रधान पायल वधवा ने बताया कि शिविर में मुख्य अतिथि प्रदेश के शिक्षामंत्री महीपाल ढांडा, मेयर कोमल सैनी, केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर के प्रतिनिधि गजेंद्र सलूजा, पाइट स्कूल के चेयरमैन मोहित चुघ, प्रियंका चुघ की रहेगी। वहीं विशिष्ठ अतिथि के रूप में श्री राम दशहर कमेटी बरसत रोड के प्रधान भीम सचदेवा, समाजसेवी सुभाष बठला, पार्षद अनिता परूथी, काजल शर्मा व कोमल पांचाल रहेंगे।

अहिल्याबाई को याद किया

पानीपत। एसडी सीनियर सेकेंडरी स्कूल परिसर में सनातन वीर दल शिविर के दूसरे दिन विश्व तम्बाकू निषेध दिवस और अहिल्याबाई होलकर जयंती मनाई गई। शिविर के दूसरे दिन दिन का विषय भयमुक्त समाज, भ्रष्टाचार मुक्त समाज और बौद्धिक शिविर था। वहीं, शिविर की मुख्य प्रशिक्षिका दीक्षा और वंशिका ने महिला सशक्तिकरण और महिला अधिकार विषय पर अपने विचार रखे। शिविर संचालन में शिक्षिका काजल, आचार्य करण और राजेंद्र जयसवाल का मुख्य योगदान रहा।

इनेलो हर वर्ग की हितैषी पार्टी

पानीपत। इनेलो की जिला इकाई की महिला सैल की बैठक जिला प्रधान कुलदीप राठी की अध्यक्षता में हुई। इनेलो की महिला प्रदेश प्रभारी सुनैना चौटाला और महिला प्रदेश अध्यक्ष तनूजा ने बैठक को संबोधित किया एवं सभी महिलाओं को भविष्य में मजबूती से भाजपा सरकार की कुनीतियों के प्रति सजग रहने का निवेदन किया। इनेलो महिला प्रदेश अध्यक्ष तनजा ने कहा कि इनेलो ने महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए ताऊ देवीलाल और चौ.ओमप्रकाश चौटाला ने कन्यादान, मातृत्व लाभ, जच्चा-बच्चा आदि जनकल्याणकारी योजनाएं बनाई। इस अवसर पर इनेलो महिला जिलाध्यक्ष प्रवीण मलिक, प्रेमलता, सुमन मच्छरौली, सरोज बाला, हेमराज जागलान, शमशेर सिंह देशवाल, सुभाष निंबरी, रविन्द्र बिंझौल, अजमेर सरपंच नौल्था, लखपत रोड़, राजू नांदल, हरिओम, महावीर, रविंद्र राठी आदि उपस्थित रहे।

धूम्रपान का त्याग करें नागरिक

पानीपत। ब्रह्माकुमारीज सेंटर पर विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर कार्यक्रम किया गया। बीके ऊषा बहन ने नागरिकों को तंबाकू के सेवन से होने वाले स्वास्थ्य संबंधी खतरों के बारे में जागरूक किया। तंबाकू का सेवन कई प्रकार के कैंसर, जैसे फेफड़े, गले, मुंह के कैंसर का मुख्य कारण है। आज हम सब मिलकर प्रण करें की अपने देश को तंबाकू मुक्त देश बनाएगे और सभी के जीवन को बचाएंगे। इस अवसर पर सत्यप्रकाश, बलदेव वर्मा, रविन्द्र, सुभाष, प्रोमिला, राज व सोनिया आदि उपस्थित

द इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स पानीपत चेप्टर में सेमिनार का आयोजन

आयकर प्रणाली में पारदर्शिता को बढ़ावा दें चार्टर्ड अकाउंटेंट्स

अध्यक्ष सीए सोनू गोयल ने मुख्य अतिथि, वक्ताओं एवं उपस्थित सदस्यों का अभिनंदन किया

पानीपत। इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स के पानीपत चेप्टर के सेमीनार का दीप जला कर शुभारंभ करते हुए अथितिगण। फोटो :हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

द इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया की उत्तरीय भारतीय क्षेत्रीय परिषद की पानीपत शाखा द्वारा डायरेक्ट टैक्सेज कमेटी के तत्वावधान में शाखा के प्रधान सीए सोनू गोयल की अध्यक्षता में एक दिवसीय तकनीकी सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार आयकर रिटर्न फॉर्म और टीडीएस प्रावधानों में हालिया बदलाव कर क्रेडिट पर प्रमुख न्यायिक निर्णय एवं आयकर तथा पीएमएलए के मध्य बढ़ते अंतर्संबंध जैसे अत्यंत महत्वपूर्ण विषयों पर केंद्रित रही। अध्यक्ष सीए सोनू गोयल ने मुख्य अतिथि, वक्ताओं एवं उपस्थित सदस्यों का अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि यह सेमिनार आयकर कानून में हुए हालिया परिवर्तनों की समझ विकसित करने तथा प्रोफेशनल्स को अद्यतन जानकारी उपलब्ध कराने का एक उत्कृष्ट मंच है, जो सदस्यों को अपने व्यावसायिक ज्ञान को सुदृढ़ करने में सहायक सिद्ध होगा। हर्षित बंसल आईआरएस संयुक्त आयुक्त आयकर विभाग मुख्य अतिथि ने आयकर अनुपालन को लेकर सरकार की तकनीकी पहल, डेटा विश्लेषण आधारित जांच और पारदर्शिता के महत्व पर जोर दिया। बदलते कानूनों के अनुरूप कर पेशेवरों की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। वक्ता सीए पंकज कुमार मिश्रा ने आयकर रिटर्न फॉर्म एवं टीडीएस प्रावधानों में चालू वर्ष के एक अप्रैल से प्रभावी परिवर्तनों की विस्तृत जानकारी दी। सेमीनार में चार्टर्ड अकाउंटेंट्स में रतन सिंह यादव, रजनी गोयल, भूपिंद्र दीक्षित, जितेन्द्र बांगा, विमल परुथी, वीरेंद्र गोयल, संजय जैन, प्रदीप तायल, सुभाष सिंगला, सतीश गर्ग, जगदीश धमीजा, मोहन सिंगला, गोविंद सैनी, मनोज गोयल, निपुन जैन, मनमोहन शर्मा, मुकेश टुटेजा, मितेश मल्होत्रा, जोगिंद्र गाबा, विजय गुप्ता, आयुषी खन्ना, ममता आदि मौजूद रहे।

पानीपत जेल में बंदियों ने किए योगासन

पानीपत। पानीपत जेल में योगासन करते हुए बंदी। फोटो :हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

जिला जेल पानीपत में जिला प्रभारी पतंजलि योगपीठ पानीपत अशोक अरोडा, आयुष विभाग योग विशेषज्ञ निलिमा, प्रवीण, योग सहायक सतीश के द्वारा बंदियों व अधिकारियों व कर्मचारियों को योगासन करवाया गया। वहीं, जेल अधीक्षक संजीव के द्वारा सभी को जीवन में योग का महत्व बताया गया व अपने जीवन में योग को अपनाने बारे प्रेरित किया गया तथा पतंजलि योगपीठ व आयुष विभाग से आए हुए अतिथियों का जेल प्रशासन की तरफ से धन्यवाद किया गया। जेल अधीक्षक संजीव ने कहा कि योग से हम मानसिक तौर से मजबूत तो होते ही है साथ ही साथ योग से शारिरिक विकास भी होता है। योग हमें तनाव से मुक्त भी रखता है। हमें दिन-प्रतिदिन योग को महत्व देकर समय निकालना चाहिए। योग एक सुलभ और प्राकृतिक पद्धति है।इससे अनेक अध्यात्मिक लाभ भी प्राप्त किए जा सकते हैं। जेलर संजीव ने कहा कि हमें नियमित रूप से स्वयं भी योग करना चाहिए और दूसरो को भी प्रेरित करना चाहिए ताकि योग की सकारात्मक उर्जा का प्रसार हो सके।

अवकाश का सद्प्रयोग करें छात्र

- विद्यार्थियों को निपुण हरियाणा व एनसीएफएफएस पर आधारित रचनात्मक, व्यवहारिक समर पैकेट तैयार किया गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

शिक्षा विभाग द्वारा निर्धारित कक्षा बाल वाटिका तीन से पांचवीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिए संवाद, अभिभावक शिक्षक बैठक पीटीएम व ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान ग्रीष्मकालीन गृहकार्य समर पैकेज देने के कार्यक्रम का आयोजन राजकीय प्राथमिक पाठशाला वार्ड दस रानी महल में किया गया। कक्षा बाल वाटिका तीन के कक्षा इंचार्ज शिक्षक बोधराज ने बताया कि विद्यार्थियों को निपुण हरियाणा व एनसीएफएफएस पर आधारित रचनात्मक, व्यवहारिक समर पैकेट तैयार किया गया। इस अवसर पर अभिभावकों में सन्तोष, मंजू, पूनम, सिकन्दर, फूल सिंह, राजेश, रजनी, राकेश, अन्नू, बसंती देवी व मैकू सिंह आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

बच्चों ने योग कर दिया तंबाकू का सेवन नहीं करने का संदेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

पानीपत। सत्यम पब्लिक स्कूल गांव जलालपुर प्रथम में योग करते हुए विद्यार्थी।

हिंदुस्तान स्काउट्स गाइड्स हरियाणा के राज्य मुख्यालय निर्देशानुसार जिला पानीपत में विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर सत्यम पब्लिक स्कूल गांव जलालपुर प्रथम में विश्व तंबाकू निषेध दिवस मनाया गया।

इसमें अध्यापकों एवं विद्यार्थियों ने नशा मुक्ति यात्रा का आयोजन किया। इस दौरान प्रधानाचार्य सत्यवान कौशिक ने योग के माध्यम से बच्चों को नशे के प्रति जागरूक किया और नशे से दूर रहने की शपथ दिलाते हुए इसके दुष्प्रभाव के बारे में बताया। जिला सचिव विनोद वत्स ने बताया की नशा मुक्ति यात्रा का आयोजन जिला कार्यकारिणी के सदस्यों द्वारा विभिन्न विद्यालयों एवं गांव में किया जा रहा है। स्कूल निर्देशिका पूजा शर्मा ने कहा कि हमें नशे जैसी बुराइयों से दूर रहना चाहिए और हर रोज सुबह योग कर अपने दिन की शुरूआत करनी चाहिए। इस दौरान सादिका, प्रियंका लाकडा, रेखा, रेनु, स्वीटी, काजल, बीना, शालू, मोनू रावल समेत टीचर्स व स्टूडेंट्स उपस्थित रहे।

इंसान के शरीर को रोग मुक्त करता है योग

पानीपत। योग करने से इंसान का शरीर जहां रोग मुक्त रहता है, योग करने वाला नागरिक तनाव मुक्त रहता है। यदि इंसान प्रति दिन योग करें तो बहुत सी सामाजिक समस्याओं का स्वयं ही हल हो जाएगा। ये बातें तहसील प्रभारी ऋचा खुराना ने योग शिविर में कही। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार हमारे शरीर को भोजन, पानी, वायु व अन्य चीजों जरूरत है। उन्होंने कहा कि हर नागरिक को सुबह जल्दी उठना चाहिए, इसके बाद योग करना चाहिए, सैर भी करनी चाहिए और प्राकृतिक भोजन करना चाहिए। जंक फूड का त्याग कर भारतीय संस्कृति के अनुसार अन्न जल ग्रहण करना चाहिए। उन्होंने कहा कि हर नागरिक को दो घंटें अपने लिए निकाले चाहिए। इस अवसर पर सम्मी, दीपिका, सुदेश, सुमन, सिमरन, हिंदू, रिंकी, नीलम, ममता, अंजना, सरोज, किरण, कमलजीत, सुनीता जैन व गुरप्रीत आदि उपस्थिति रही।

चरित्र निर्माण, बौद्धिक व शारीरिक प्रशिक्षण शिविर का हुआ शुभारंभ

- बच्चों को वैदिक विद्वानों द्वारा वैदिक संस्कृति और संस्कारिक शिक्षा प्रदान की जा रही

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

पानीपत। आर्य सीनियर सेकेंडरी स्कूल में आर्य वीर दल के कैंप का शुभारंभ करते हुए अथितिगण। फोटो :हरिभूमि

आर्य सीनियर सेकेंडरी विद्यालय में आर्यवीर दल की ओर से पांच दिवसीय चरित्र निर्माण, बौद्धिक व शारीरिक प्रशिक्षण शिविर शनिवार को शुभारंभ हुआ। कैंप में बच्चों को व्यायाम, सर्वांग सुंदर व्यायाम, लाठी चलाना, भिन्न भिन्न प्रकार की दंड बैठक लगाना, स्तूप बनाना, योगाभ्यास आदि अनेक प्रकार की क्रियाएं कराई जा रही हैं। व्यायाम के साथ साथ बच्चों को वैदिक विद्वानों द्वारा वैदिक संस्कृति और संस्कारिक शिक्षा भी प्रदान की जा रही है। उद्घाटन के अवसर पर विद्यालय के प्रिंसिपल मनीष घनघस, राजेश आर्य मंडल पति, सुनील बत्रा मंत्री, सौरभ आर्य उप मंडल पति, अशोक वर्मा उप मंडल पति, अशोक अरोड़ा कोषाध्यक्ष, आचार्य राजकुमार, आचार्य प्रेमपाल, सुरेश आर्य, पंडित अशोक कुमार आर्य, हरीश वर्मा नगर नायक, संदीप आर्य, शेखर आर्य व्यायाम शिक्षक आदि उपस्थित रहे।

समालखा। गुरुद्वारा गुरु गोबिंद सिंह में गुरु अर्जन देव के शहीदी दिवस पर गुरवाणी करते हुए जगतार बिल्ला। फोटो :हरिभूमि

गुरु अर्जुन देव का शहीदी दिवस श्रद्धा-सत्कार के साथ मनाया

समालखा। गुरुद्वारा श्री गुरु गोबिंद सिंह, माडल टाऊन में पांचवें गुरु अर्जुन देव जी का शहीदी दिवस समूह संगत द्वारा श्रद्धा-सत्कार के साथ मनाया गया। इस उपलक्ष में धार्मिक दीवान सजाए गए, जिसमें भाई गुरमुख सिंह ने गुरवाणी किर्तन करके संगत को निहाल किया। इस अवसर पर गुरुद्वारा कमेटी प्रधान जगतार सिंह बिल्ला व प्रधान गोपाल सिंह ने बताया कि गुरु अर्जुन देव पर मुगलों ने बर्बरता की इंतिहा करते हुए उन्हें गर्म तवे पर बैठाया। उनके ऊपर गर्म रेत और तेल डाला गया। इस तरह उन्हें पांच दिनों तक लगातार यातनाएं दी गई। इन यातनाओं का उन पर इतना भयानक प्रभाव पड़ा कि वे बेहोश हो गए। इसके बाद भी वो मुगलों के आगे नहीं झुके। इसके बाद जहांगीर ने क्रूरता की हदें पार करते हुए गुरू अर्जुन देव के शरीर को जंजीरों में जकड़कर पाकिस्तान के लाहौर में रावी नदी में बहा दिया। इस अवसर पर श्याम सिंह, जीवन सिंह, विकास छौक्कर, तिलक चौपड़ा, गुरजीत सिंह, कुलदीप सिंह, हीरा सिंह, सुरेन्द्र कुमार, सूरत सिंह, गुरप्रीत सिंह, जिम्मी सिंह, मनजीत कौर, सर्वजीत कौर समेत बडी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में डीईओ राकेश बूरा का स्वागत किया

पानीपत। राजकीय स्कूल गांव किवाना में अथितियों के साथ मेधावी विद्यार्थी। फोटो :हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| समालखा

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय गांव किवाना में स्कूल प्रबंधन समिति किवाना शिक्षा एवं खेलकूद समिति, शहीद वीरेंद्र स्मारक समिति व हरियाणा ज्ञान विज्ञान समिति के संयुक्त प्रयासों से शिक्षा सभा का आयोजन किया गया। शिक्षा सभा में विद्यार्थी, अध्यापक, पंचायत, गणमान्य व्यक्तियों आदि ने शिरकत की। मुख्य अतिथि डीईओ राकेश बूरा रहे। चैन पाल छौक्कर सरपंच ने अध्यक्षता की गई। मंच संचालन किवाना शिक्षा एवं खेलकूद समिति व एसएमसी में सामाजिक कार्यकर्ता मदनपाल छोक्कर एंव रसायन विज्ञान की प्रवक्ता डा.सुसैन छौक्कर ने की। स्कूल की प्राचार्या रजनीबाला जैन व डॉक्टर संजय मलिक उपप्रधानाचार्य ने डीईओ राकेश बूरा का स्वागत किया। वहीं सरपंच चेनपाल ने मुख्य अतिथि राकेश बूरा और प्राचार्या रजनी बाला जैन को शाल भेंट कर सम्मानित किया। अतिथियों द्वारार दसवीं में 31 मेरिट और 12वीं में 22 मेरिट में आने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर प्रहलाद सिंह, वेदपाल, सूबे सिंह, कुलबीर, सतीश, वेद प्रकाश, प्रताप छौक्कर, रतन सिंह, धर्मपाल, कैलाश शर्मा, सोनू, प्रवक्ता अजीत चंदेलिया, अजीत गहलावत, सचिन वत्स, जोगिंद्र कौशिक, परमिंदर, श्रीकांत, अंजू आदि मौजूद रहे।

एनसी कॉलेज के नागरिकों को तंबाकू का त्याग करने का संदेश देते विद्यार्थी।

एनसी मेडिकल कॉलेज में विश्व तंबाकू निषेध दिवस आयोजित

इसराना। एनसी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल इसराना के कम्युनिटी मेडिसिन विभाग द्वारा विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर राजकीय माध्यमिक विद्यालय गांव बांध में संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में विजय सिंह मुख्य अध्यापक राजकीय माध्यमिक विद्यालय का विशेष सहयोग रहा। कम्यूनिटी मेडिसिन विभाग के प्रो. एवं विभागाध्यक्ष डॉ.कमलजीत सिंह ने छात्रों और अध्यापकों को आह्वान किया कि धूम्रपान न करें इसके कारण ह्रदय, श्वास और कैंसर जैसी घातक बीमारियों से मौत होती है। वहीं एनसी मेडिकल कॉलेज के प्रशिक्षु इंटर्नस ने धुम्रपान निषेध पर बहुत प्रभावी लघु नाटिका प्रस्तुत की। एनसी मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य मेजर जनरल डाक्टर पीके सिंह के कुशल नेतृत्व में कम्युनिटी मेडिसिन विभाग से डाक्टर वेद सिंह, डॉ.महेंद्र सिंह, डॉ.हिमानी, डॉ.स्वाति जरोले, विजय कुमार, नरेंद्र व पूनम मेडिकल सोशल वर्कर आदि उपस्थित रहे।

आपदा ड्रिल की शुरुआत में एयर रेड सायरन बजाकर सबको एयर स्ट्राइक की

पानीपत रिफाइनरी में सिविल डिफेंस आपदा ड्रिल की

- आपदा ड्रिल के बाद समीक्षा बैठक आयोजित की गयी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

पानीपत। पानीपत रिफाइनरी में सिविल डिफेंस आपदा ड्रिल करते हुए सुरक्षा कर्मी।

एयर स्ट्राइक से उत्पन्न संभावित खतरों को देखते हुए सिवील एडमिंसट्रेशन के निर्देशानुसार आपदा ड्रिल किया गया। नागरिकों एवं राष्ट्रीय प्रतिस्ठानों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुये, सरकार द्वारा घोषित ऑपरेशन शील्ड के अनुपालन में, पानीपत रिफाइनरी और पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स (पीआरपीसी) में पीआर एडमिन बिल्डिंग पर हवाई हमले की चेतावनी के बाद हवाई हमले की घटना के परिदृश्य के साथ एक मॉक ड्रिल सफलतापूर्वक आयोजित की गई।

बिल्डिंग को खाली करवाया गया

सायरन बजते ही एयर स्ट्राइक की बिल्डिंग और आस पास के सभी लोग एक्सपलोजन प्रूफ बिल्डिंग्स के अंदर एकत्रित हो गए। शाम सवा चार बजे पीआर एडमिन बिल्डिंग की पूर्व दिशा पर एयर स्ट्राइक का परिदृश्य दर्शाया गया जिसके फलस्वरूप बिल्डिंग ध्वस्त हो गई और उसके आस पास के एरिया मे आग लगने की घटना घटित हो गई। इसके बाद अलार्म बजते ही लोगो को आपातकालीन एकत्रण स्थल पर जाने की सूचना दी गई और बिल्डिंग को खाली करवाया गया। दूसरी ओर, इस आपदा ड्रिल के बाद समीक्षा बैठक आयोजित की गयी।

वहीं, पानीपत प्रशासन ने सिविल डिफेंस की तैयारियों के लिए ऑपरेशन शील्ड के तहत शनिवार को पानीपत जिले में ब्लैक-आउट किया गया। इसके तहत पीआर टाउनशिप में भी ब्लैक-आउट रहा। दूसरी ओर, आपदा की तैयारी के मूल्यांकन हेतु डिस्ट्रिक्ट एडमिंसट्रेशन, स्थानीय पुलिस की टीम, रेड क्रॉस की टीम, होम गाड्र्स की टीम एवं सीआइएसएफ की टीम रिफाइनरी परिसर में उपस्थित थी। वहीं, आपदा ड्रिल की शुरुआत में, एयर रेड सायरन बजाकर सबको एयर स्ट्राइक की वार्निंग दी गई।

इस बैठक में आपातकालीन तैयारी योजना में और सुधार की समीक्षा , एमएल डहरिया, कार्यकारी निदेशक एवं रिफाइनरी प्रमुख द्वारा, डिस्ट्रिक्ट एडमिंसट्रेशन, पानीपत पुलिस की टीम, रेड क्रॉस की टीम, होम गाड्र्स की टीम, सीआइएसएफ की टीम तथा संबन्धित वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में की गई।

एचएमएसआई ने गोल्ड विंग टूर लॉन्च की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

आइकॉनिक टूरिंग उत्कृष्टता के पचास वर्षों का जश्न मनाते हुए होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया एचएमएसआई ने आज 2025 गोल्ड विंग टूर 50वीं वर्षगांठ संस्करण के लॉन्च की घोषणा की। इस मॉडल के पचास वर्ष पूरे होने पर गोल्ड विंग टूर लग्जरी टूरिंग का नया मानदंड स्थापित करता है। इसकी बुकिंग अब शुरू हो गई है और इसे विशेष रूप से कंपनी के प्रीमियम बिंगविंग टोपलाइन डीलरशिप्स के माध्यम से बेचा जाएगा। 50वीं वर्षगांठ का यह होंडा गोल्ड विंग टूर 39.90 लाख एक्स शोरूम गुरुग्राम की कीमत पर उपलब्ध है। लॉन्च की घोषणा एचएमएसआई के मैनेजिंग डायरेक्टर, प्रेसिडेंट और सीईओ त्सुत्सुमु ओतानी ने की।

शिक्षित होने पर ध्यान दें विद्यार्थी

पानीपत। राजकीय मॉडल संस्कृति सीनियर सेकेंडरी स्कूल गांव राजाखेड़ी में विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर प्राचार्या सुमित्रा सांगवान के नेतृत्व में बच्चों ने जागरूकता रैली निकाल कर ग्रामीणों को तंबाकू के विरूद्ध जागरूक किया। प्राचार्या सुमित्रा ने बताया कि जीवन में कभी भी नशा नहीं करना चाहिए नशे से दूर रहकर पढ़ाई करनी चाहिए। संस्कृत प्राध्यापक संजीव कुमार शास्त्री ने विश्व तंबाकू दिवस पर बच्चों के साथ चार्ट बनवाकर गांव में जाकर नशे के विरुद्ध मुहिम चलाई। इस अवसर पर नवीन कुमार, प्रमोद कुमार, कर्मवीर, वीरेंद्र, विकास शर्मा, इंद्र, जयदेव, सरोज, कुसुम मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

धोखाधड़ी के मामले में आरोपी काबू

अंबाला। थाना अंबाला छावनी में दर्ज विदेश भेजने के नाम पर धोखाधड़ी से एक बड़ी रकम हड़पने व पासपोर्ट न देने के मामले में आर्थिक अपराध शाखा आरोपी विपुल को गिरफ्तार किया है। इस मामले में संलिप्त अब तक दो आरोपियों को गिरफ्तार कर 72,500 रूप्ये नकदी बरामद की गई है। कच्चा बाजार के रहने वाले सनप्रीत सिंह ने 4 मार्च 2025 को शिकायत दर्ज करवाई थी कि 11 सितंबर 2023 से 3 जनवरी 2024 के दौरान आरोपी राष्ट्र सम्राट व अन्य ने विदेश भेजने के नाम पर उससे एक बड़ी रकम हड़पने व पासपोर्ट न देने की धोखाधड़ी करने का आपराधिक कार्य किया है। इस शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी।

चोरी के मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

अंबाला। थाना पड़ाव में दर्ज चोरी के मामले में पुलिस ने आरोपी अभिषेक व अंकुश को गिरफ्तार किया है। बीडी फ्लोर मिल के पीछे रहने वाले लक्ष्मण दास ने 6 मई 2025 को शिकायत दर्ज करवाई थी कि दुधला मंडी अंबाला छावनी में स्थित उसके गोदाम से आरोपी अभिषेक, अंकुश व अन्य ने स्टील, तांबा तार, लोहा, एलईडी व अन्य सामान चोरी किया है। इस शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी।

पुलिस लाइन कार्यालय में लंबित मांगों पर हुई चर्चा

अंबाला। एक्स पुलिस ऑफिसर्ज सोशल वेलफेयर एसोसिएशन की मासिक बैठक प्रधान अश्विनी कुमार की अध्यक्षता में पुलिस लाइन कार्यालय में आयोजित हुई। बैठक में पेंशनरों द्वारा लंबित मांगों पर चर्चा की गई। बैठक में सरकार से मांग की गई कि पेंशनरों को जल्द से जल्द कैशलेस मेडिकल सुविधा प्रदान की जाए। मासिक चिकित्सा भत्ता बढ़ाकर 3000 रूपये किया जाए।

लोगों को नशे के विरुद्ध किया जागरूक

कुरुक्षेत्र। नशा मुक्त होगा हरियाणा अर मिलकर सारे जोर लगाना। इस नारे के साथ आज विश्व तम्बाकू निषेध दिवस पर हरियाणा राज्य नारकोटिक्स कण्ट्रोल ब्यूरो द्वारा प्रयास फाउंडेशन के साथ मिलकर नशे के विरुद्ध 450 वां जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम पीएमश्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सेक्टर 5 देवीदासपुरा में हुआ। विद्यालय की प्राचार्या सुनीता की अध्यक्षता में 524 विद्यार्थियों, 40 शिक्षकों और 5 अन्य कर्मचारियों ने भाग लिया।

सेंट पीटर स्कूल में स्कॉलरशिप की घोषणा

कुरुक्षेत्र। सेंट पीटर कन्वेंट स्कूल द्वारा पिछले 13 वर्षों से निरंतर किरण शर्मा स्कॉलरशिप एग्जाम करवाया जाता है। परीक्षा का आयोजन स्कूल के चेयरमैन सतपाल शर्मा द्वारा करवाया जाता हैं। स्कूल के चेयरमैन की तरफ से स्कॉलरशिप अवार्ड प्रत्येक कक्षा में प्रथम आने वाले विद्यार्थी को दिया जाता है। स्कॉलरशिप राशि 5000 का चैक चेयरमैन अपनी तरफ से देते हैं। शनिवार को घोषित हुए परिणामों में कक्षा द्वितीय में समायरा सैनी, तृतीय कक्षा में आराध्या, चतुर्थ कक्षा में व्यू चौहान, पांचवी कक्षा में गीतेश, छठी कक्षा में आयुष पुंडीर, सातवीं कक्षा में भाविक, आठवीं कक्षा में असमी ने स्कॉलरशिप अवार्ड जीता।

एडीसी ने सभी शिकायतें जांच के लिए विभागीय अधिकारियों को सौंपी, बोले तय समय पर हो समाधान

तेपला में रात्रि ठहराव, ग्रामीणों ने 25 शिकायतें दर्ज करवाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

अतिरिक्त उपायुक्त डॉ. ब्रहमजीत ने शुक्रवार को तेपला गांव के सामुदायिक भवन में रात्रि ठहराव के दौरान ग्रामीणों की समस्याएं सुनकर उनका समाधान करने का प्रयास किया। इस मौके पर 25 से अधिक शिकायतें प्राप्त हुई जिसे विभागीय अधिकारियों को जांच के लिए भेजा गया है। मौके पर उनके साथ एसडीएम विनेश कुमार, आरटीए सुशील कुमार, डीएसपी सुरेश कुमार, सीईओ जिला परिषद गगनदीप, भाजपा पदाधिकारी जसमेर राणा, जिला महामंत्री कर्मचंद गोल्डी विशेष तौर पर मौजूद रहे। यहां पहुंचने पर गांव की सरपंच गगनदीप कौर व अन्य ग्रामीणवासियों ने मुख्य अतिथि को पुष्प गुच्छ देकर व फूलमाला पहनाकर स्वागत किया।

इस मौके पर गांव के सरपंच गगनदीप कौर के पति नरेंद्र सिंह ने मुख्य अतिथि का यहां पहुंचने पर स्वागत किया। गांव में हुए विकास कार्यों के बारे में उन्हें जानकारी दी। उन्होंने इस मौके पर यह भी बताया कि गांव तेपला का जिला में महत्वपूर्ण स्थान है। इस गांव के अधिकतर युवा सेना में भर्ती होकर देश की सेवा भी कर रहे हैं। रात्रि ठहराव कार्यक्रम के तहत गांव तेपला की गुरदेवी ने बुढापा पेंशन लगवाने बारे, अजय कुमार ने सफाई कर्मचारियों की संख्या बढ़ाने बारे, गुरदयाल सिंह ने बीपीएल कार्ड कटने बारे एवं फैमिली आईडी में इनकम ठीक करवाने बारे, टिंकू व सतीश कुमार ने फैमिली आईडी में इनकम ठीक करवाने बारे, गांव पिलखनी से आए सरपंच व अन्य ग्रामीणों ने पिलखनी से बस चलवाने बारे, गांव तेपला के सेवा राम ने एनएच 44 पर बंद पडी स्ट्रीट लाइटें ठीक करवाने बारे, गांव तेपला के बलजीत कौर व अन्य ने गांव की फिरनी पर बने नाले को ठीक करवाने बारे, पूर्ण चंद ने पेयजल की समस्या बारे, स्वर्ण कौर ने राशन कार्ड बनवाने बारे, गांव अकबरपुर से संजीव कुमार ने सरकारी योजना के तहत कन्यादान की राशि दिलवाने बारे, तेपला के मुकेश कुमार ने घर की छत ठीक करवाने बारे शिकायतें लिखित प्रार्थना पत्र के माध्यम से अतिरिक्त उपायुक्त के समक्ष रखी। अतिरिक्त उपायुक्त ने इस मौके पर बताया कि सरकार के दिशा-निर्देशानुसार प्रत्येक माह रात्रि ठहराव कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है। रात्रि ठहराव कार्यक्रम को आयोजित करने का मुख्य उद्देश्य यही है कि लोगों के घर-द्वार पर आकर उनकी समस्याओं का मौके पर ही निपटान किया जाए। रात्रि ठहराव कार्यक्रम के दौरान विभागों के विभागाध्यक्ष मौजूद रहते हैं। उन्होंने इस मौके पर यह भी बताया कि प्रत्येक सोमवार व वीरवार को जिला व उपमंडल स्तर पर समाधान शिविर आयोजित किए जा रहे हैं । कोई भी व्यक्ति इन शिविरों में आकर अपनी समस्या रख सकता है।

अंबाला। रात्रि ठहराव के दौरान ग्रामीणों की समस्याएं सुनते एडीसी व अन्य।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर बीडीपीओ दिनेश शर्मा, डीआईपीआरओ धर्मेंद्र कुमार, जिला शिक्षा अधिकारी सुरेश कुमार, डीडीपीओ सुशील मंगला, परिवहन विभाग से टीएम पुनीत नांदल, जिला आयुर्वेदिक अधिकारी शशिकांत शर्मा, उप निदेशक कृषि विभाग डॉ. जसविंद्र सिंह, कार्यकारी अभियंता नवनीत श्योरान, कार्यकारी अभियंता हरबंस सिंह, जेई ललित कौशल के साथ-साथ अन्य विभागों के अधिकारी भी मौजूद रहे।

प्रिंसिपल डॉ. इंदु विज 37 वर्षों की सेवा के बाद सेवानिवृत

बराड़ा। डॉ इन्दु विज को सम्मानित करते हुए स्टाफ व प्रंबधन समिति के सदस्य।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बराड़ा

संत मोहन सिंह खालसा लबाना गर्ल्स कॉलेज में गणित विभाग की अध्यक्ष और कार्यवाहक प्राचार्या डॉ. इंदु विज शनिवार को 37 वर्षों की उत्कृष्ट सेवाओं के उपरांत सेवानिवृत्त हो गईं। इस अवसर पर महाविद्यालय की ओर से एक भावुक विदाई समारोह का आयोजन किया गया जिसमें स्टाफ सदस्यों, प्रबंधक समिति और छात्राओं ने उन्हें शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में डॉ. दलजीत कौर ने डॉ. विज के व्यक्तित्व की सराहना करते हुए कहा कि उनका धैर्य, सहनशीलता और कर्मठता के लिए प्रेरणा का स्त्रोत हैं। उन्होंने कॉलेज के हर कार्य को पूरी लगन, ईमानदारी और समझदारी के साथ निभाया। डॉ. रितु चंदाना ने अपने अनुभव सांझा करते हुए बताया कि डॉ. विज ने कभी भी किसी जिम्मेदारी से पीछे नहीं हटीं। प्राचार्या के रूप में अपने 2 साल 5 महीने के कार्यकाल और कुल 37 वर्षों की सेवाओं में डॉ. विज ने महाविद्यालय के समग्र विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया। 13 अक्टूबर 1987 को उन्होंने इस संस्थान में अपने करियर की शुरुआत की थी। उन्होंने 20 वर्षों तक परीक्षा नियंत्रक और 8 वर्षों तक एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी के रूप में भी सराहनीय कार्य किया।

हादसे में चार रोटेरियन जख्मी, जीरकपुर के पास ट्रक चालक की लापरवाही से हुआ हादसा

अंबाला। पंजाब के जीरकपुर में अंबाला के चार रोटेरियन एक सड़क हादसे में घायल हुए हैं। घायल सभी को मोहाली के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया है। चारों रोटेरियन किसी निजी कार्य से चंडीगढ़ गए हुए थे। जिसके बाद वह वापस अंबाला आ रहे थे। इसी बीच जीरकपुर फ्लाईओवर पर एक ट्रक बेकाबू होकर इनकी कार के ऊपर गिर गया। राहगीरों ने घायलों को कार से बाहर निकाला था। जिसके बाद एम्बुलेंस के माध्यम से उनको अस्पताल में भेजा गया। पुलिस के अनुसार घटना कल शाम 9 बजे की थी। जब यह घटना हुई तो रोड पर काफी जाम लग गया। तकरीबन एक घंटे बाद जाम खुल सका। वहीं, सभी घायलों को मोहाली के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

सदर बाजार में चला अतिक्रमण हटाओ अभियान

- पुलिस ने बीच सड़क पर पार्क किए गए वाहनों के काटे चालान, एसएचओ बोले जाम की वजह से करनी पड़ी कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

- दुकानों के बाहर रखा सामान जब्त

अंबाला कैंट नगर परिषद और पुलिस की द्वारा शनिवार को अंबाला छावनी के सदर बाजार में कार्रवाई की गई। इस दौरान अधिकारियों ने अवैध पार्किंग किए हुए वाहनों और अवैध रूप से अपनी दुकानों के बहुत बाहर रखे सामान को हटाया। पुलिस ने गलत पार्क किए हुए वाहनों के चालान काटे व कुछ वाहन जब्त किए। इसके साथ ही अवैध रूप से दुकानों के बाहर रखे सामान को भी नगर परिषद ने जब्त किया। वहीं, कुछ लोगों को समझाकर सामान दुकान के अंदर रखवाया यह कार्रवाई अंबाला छावनी के सभी बाजारों में की गई है। नगर परिषद के अधिकारी गुलाब सिंह ने बताया कि अंबाला छावनी में अक्सर गलत तरह से खड़े वाहनों और अतिक्रमण के कारण आवाजाही में दिक्कतें रहा करती थीं। इसी कारण यह कार्रवाई की गई है।

अंबाला। बीच सड़क पर खड़ी कार का चालान करते पुलिस कर्मचारी।

बाजारों में बनती है जाम की स्थिति

एसएचओ अंबाला कैंट अजायब सिंह ने बताया कि अक्सर बाजारों में आने वाले लोग अपना दोपहिया व चौपहिया वाहन इधर-उधर खड़ा कर जाते थे। जिस कारण बाजारों में जाम की स्थिति बन जाती थी। यही हाल बाजार के दुकानदारों का था जो अपनी दुकान के काफी आगे अवैध रूप से सामान सड़कों पर रख देते हैं। इस कारण लोगों को निकलने तक की जगह काफी मुश्किल से मिल पाती थी। जिसकी मौखिक रूप से लोग पुलिस व नगर परिषद मे शिकायत भी करते थे। इसी को देखते हुए एक जॉइंट अभियान चलाया गया जिसमें कई वाहनों के चालान काटे व कुछ दुकानदारों का सामान जब्त भी किया है।

मिलन समारोह में विद्यार्थियों ने सांझा किए कॉलेज में बिताए यादगार पल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बराड़ा

लॉर्ड कृष्णा कॉलेज ऑफ एजुकेशन में शनिवार को पूर्व छात्र मिलन समारोह का भव्य आयोजन किया गया। इसमें वर्ष 2021 से 2023 तक के पास आउट विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन से हुई, जिसके पश्चात मंच संचालन सहायक प्रोफेसर जगबीर सिंह द्वारा किया गया।

कार्यक्रम में स्वागत भाषण प्राध्यापिका प्रीति द्वारा प्रस्तुत किया गया। इसके बाद पूर्व विद्यार्थियों तमन्ना, डॉ. रुचि सांगवान, निवेदिता और दीपा शर्मा ने अपने कॉलेज जीवन की स्मृतियों और अनुभवों को सांझा करते हुए बताया कि किस प्रकार इस संस्थान से प्राप्त शिक्षा और संस्कारों ने उन्हें उनके जीवन में सफलता दिलाई है। कई पूर्व विद्यार्थियों ने बताया कि बीएड करने के बाद वे शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण पदों पर कार्यरत हैं। समाज में सकारात्मक भूमिका निभा रहे हैं। प्राध्यापिका विभा गुप्ता ने विद्यार्थियों से शिक्षण से संबंधित प्रश्नोत्तरी सत्र का आयोजन किया जिसमें प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कॉलेज की प्राचार्य डॉ. रेनू सोहता ने सभी पूर्व विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए उन्हें भविष्य में भी कॉलेज से जुड़े रहने और सहयोग देने की अपील की। उन्होंने विद्यार्थियों को नई शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप कार्य करने, आधुनिक जीवनशैली को समझने और योग, संतुलित आहार तथा खुश रहकर कार्य करने की प्रेरणा दी।

बराड़ा। कार्यक्रम में भाग लेते हुए प्रतिभागी।

श्रीकृष्ण आयुष विश्वविद्यालय में 300 बच्चों को पिलाया स्वर्णप्राशन

कुरुक्षेत्र। श्रीकृष्ण आयुष विश्वविद्यालय के कौमारभृत्य विभाग द्वारा स्वर्णप्राशन संस्कार का आयोजन किया गया, जिसमें लगभग 300 बच्चों को स्वर्णप्राशन की अमृत बूंदें पिलाई गई। अपने बच्चों को स्वर्णप्राशन की बूंदे पिलाने पहुंचने अभिभावकों की सुबह से ही ओपीडी के बाहर लंबी कतार लगी हुई थी। दरअसल, स्वर्णप्राशन संस्कार का उद्देश्य बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता, बुद्धि, स्मरण शक्ति एवं संपूर्ण विकास को बढ़ाना है। आयुष विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. वैद्य करतार सिंह धीमान के मार्गदर्शन में हर पुष्य नक्षत्र के दिन विश्वविद्यालय के आयुर्वेद अस्पताल परिसर में कैंप लगाया जाता है, जिसमें कौमारभृत्य विभाग के वैद्य स्वर्णप्राशन संस्कार करते हैं। बता दें कि स्वर्णप्राशन एक आयुर्वेदिक विधि है, जिसमें शुद्ध स्वर्ण भस्म, घृत (घी), मधु और कुछ औषधियों के मिश्रण को विशेष विधि से तैयार कर बच्चों को दिया जाता है। यह परंपरा वैदिक काल से चली आ रही है और बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाने में कारगर मानी जाती है।

राजकीय महाविद्यालय में पूर्व छात्र मिलन समारोह आयोजित

पिहोवा। राजकीय महाविद्यालय भेरिया में एलुमिनाई समिति द्वारा पूर्व छात्र मिलन समारोह का आयोजन किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य सुभाष चन्द्र शर्मा द्वारा कार्यक्रम की अध्यक्षता की गई। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि जो विद्यार्थी भेरियां कॉलेज से स्नातक की परीक्षा उत्तीर्ण करके जा चुके हैं निश्चय ही वह अपने महाविद्यालय परिवार, समाज और राष्ट्रहित में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे होंगे। समिति के प्रभारी डॉ जगीर सिंह ने पूर्व छात्रों का हार्दिक स्वागत किया एवं उनके उज्जवल भविष्य की कामनाएं दी। महाविद्यालय की सांस्कृतिक समिति पूर्व छात्रों के लिए सांस्कृतिक प्रस्तुतियां पेश की गई।

शिक्षिका ज्योति को मिला मालती ज्ञान पीठ पुरस्कार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले शिक्षकों को सम्मानित करने हेतु आयोजित 'मालती ज्ञान पीठ पुरस्कार' समारोह का आठवां संस्करण गत दिवस को इंडिया इंटरनेशनल सेंटर नई दिल्ली में सफलता पूर्वक संपन्न हुआ।

इस गौरवपूर्ण अवसर पर भारत के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे तथा पुरस्कार विजेताओं को सम्मानित किया। समारोह की गरिमा को बढ़ाते हुए पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने भी मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में दिल्ली की मोनिका संजय गांधी और अभय सिंह चौटाला ने भी भाग लिया और समाज के प्रति समर्पित व्यक्तियों को प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर एमएमएम फाउंडेशन के चेयरमैन मनोज सिंघल ने बताया कि यह पुरस्कार उन को प्रदान किया जाता है जिन्होंने शिक्षा, सामाजिक सेवा और राष्ट्र निर्माण के क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य किए हैं। इस वर्ष एसए जैन सीनियर मॉडल स्कूल अंबाला शहर की शिक्षिका ज्योति जिंदल को यह पुरस्कार प्रेरक शिक्षिका के रूप में प्रदान किया गया। उन्हें यह सम्मान उनके शिक्षण के क्षेत्र में अद्वितीय कार्य, समर्पण, नवाचार और छात्रों के सर्वांगीण विकास में उल्लेखनीय योगदान के लिए दिया गया। पुरस्कार के अंतर्गत उन्हें एक लाख की नकद राशि, एक सम्मान पत्र, एवं श्रेष्ठता प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। इस अवसर पर स्कूल के प्रबंधक समिति के प्रधान अनिल जैन, चेयरमैन मनदीप जैन, प्रबंधक समिति के सलाहकार श्रीकांत जैन, मैनेजर पीयूष जैन, सचिव डॉ विनीत जैन, कोषाध्यक्ष ऋषभ जैन, विजय वल्लभ जैन इंटरनेशनल स्कूल मोहड़ी के मैनेजर सुमित जैन और प्राचार्या डॉ. रेनू गहलावत ने शिक्षिका ज्योति जिंदल को बधाई दी।

अंबाला। शिक्षिका ज्योति जिंदल को सम्मानित करते हुए।

पेट्रोप पंप मालिक को लाखों का चूना लगाने वाले काबू

अंबाला। डिफेंस कॉलोनी के पेट्रोल पंप से लाखों रुपये के गबन और तेल चोरी के मामले में पंजोखरा थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मैनेजर सहित चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों ने 2022 से लेकर 2024 तक पंप मालिक को चूना लगाया था। पकड़े गए आरोपियों की पहचान टुंडला मंडी के अर्जुन, माल रोड के साहिल व सौरभ और जनेतपुर के जितेंद्र के रूप में हुई। इस मामले में 10 जनवरी को डिफेंस कॉलोनी के सेक्टर-ए स्थित सूरज प्रकाश फिलिंग स्टेशन के मालिक सूरज ने शिकायत दर्ज करवाई थी। आरोप लगाया था कि 1 अप्रैल 2022 से 30 सितंबर 2024 के दौरान आरोपी अर्जुन, साहिल, सौरभ व अन्य कर्मचारी पेट्रोल पंप पर नौकरी करते रहे हैं। आरोपी अर्जुन पेट्रोल पंप पर मैनेजर का काम करता था, जिसकी जिम्मेदारी पेट्रोल पर हिसाब-किताब देखना, पानीपत रिफाइनरी से आने वाले तेल की नपाई, सैंपल चेक करना होती थी। अन्य कर्मचारियों से सारा हिसाब-किताब भी अर्जुन ही लेता था। इस दौरान अर्जुन ने कर्मचारियों के साथ मिलकर लाखों रुपये का गबन तथा तेल चोरी करके कंप्यूटर में गलत एंट्री कर उसके साथ धोखाधड़ी की है।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20, फोन : 9253681010, 9253681005

दोनों जगह बच्चों के रिकॉर्ड की जांच के साथ उन्हें मिल रही सुविधाओं का भी किया अवलोकन

राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने बाल गृह का किया मुआयना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारायणगढ़

हरियाणा राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग के सदस्यों अनिल लाठर और श्याम शुक्ला ने शनिवार को राधा कृष्ण बालक गृह और वात्सल्य किशोरी कुंज बालिका गृह का निरीक्षण किया। इस निरीक्षण का उद्देश्य संस्थानों में निवासरत बच्चों को उपलब्ध कराई जा रही सेवाओं, सुरक्षा, स्वास्थ्य, शिक्षा एवं देखभाल व्यवस्थाओं की समीक्षा की।

आयोग के सदस्यों द्वारा बच्चों की दस्तावेज,फाइलें, चिकित्सकीय रिकॉर्ड, दवाइयों की उपलब्धता, रहन-सहन की व्यवस्था, खानपान और शैक्षणिक गतिविधियों की विस्तारपूर्वक जांच की गई। बच्चों से संवाद कर उनकी समस्याओं और आवश्यकताओं की भी जानकारी ली गई। इस निरीक्षण टीम में चाइल्ड वेलफेयर कमेटी (सीडबल्यूसी) अंबाला की चेयरपर्सन रंजीता सचदेवा, सीडबल्यूसी सदस्य खुशपाल, जिला बाल संरक्षण अधिकारी (डीसीपीओ) ममता रानी, महिला थाना नारायणगढ़ की एसएचओ संतोष एवं अन्य संबंधित अधिकारीगण भी शामिल रहे। निरीक्षण के उपरांत आयोग के सदस्यों ने बताया कि संबंधित सीसीआई में सभी आवश्यक व्यवस्थाएं, रिकॉड्रस तथा सेवाएं संतोषजनक रूप से संचालित पाए गए हैं। संस्थान द्वारा बच्चों के हित में किए जा रहे प्रयासों की सराहना की गई।

नारायणगढ़। राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग के सदस्य संस्थानों का निरीक्षण करते हुए।

बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

इसके पश्चात आयोग की टीम द्वारा महिला थाना नारायणगढ़ का भी दौरा किया गया। वहां बाल मित्र कक्ष (चाइल्ड फ्रेंडली रूम), एसजेपीयू (स्पेशल जुवेनाइल पुलिस यूनिट)तथा बच्चों से जुड़े अन्य प्रावधानों की स्थिति का अवलोकन किया गया। आयोग द्वारा संबंधित अधिकारियों को बाल संरक्षण कानूनों के अनुरूप आवश्यक सुधार एवं बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु दिशा-निर्देश भी प्रदान किए गए। बता दें कि हरियाणा राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग राज्य में बच्चों के अधिकारों की रक्षा और उनके समुचित विकास हेतु प्रतिबद्ध है, और समय-समय पर इस प्रकार के निरीक्षणों के माध्यम से जमीनी हालात का मूल्यांकन करता है।

प्रदूषण की भयावह होती वैश्विक समस्या और बढ़ते तापमान से मुक्ति पाने का सबसे कारगर उपाय है कि हम ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर को अपनाने की दिशा में कारगर कदम बढ़ाएं। हालांकि इस दिशा में भी कई चुनौतियां हैं, लेकिन सरकारी स्तर पर ठोस पहल और जन सामान्य की भागीदारी से देश-दुनिया को हरा-भरा बना सकते हैं, भविष्य को सुरक्षित बना सकते हैं।

विशेष: विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून

तपते शहरों में ऐसे बढ़ेगा ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर

कवर स्टोरी / अपराजिता

आगामी 5 जून 2025 को जब हम विश्व पर्यावरण दिवस मनाएंगे, तो हमारे देश के कई बड़े शहर तप रहे होंगे। दिल्ली हो या जयपुर, नागपुर हो या हैदराबाद। देश के कई शहर गर्मियों में तपते द्वीपों में बदल चुके हैं। सिर्फ हम अपने देश के शहरों की ही बात क्यों करें? लाहौर, बीजिंग, न्यूयॉर्क, टोक्यो और दुबई की भी आज की तारीख में यही स्थिति है। सवाल है, इन शहरों में फिर से जीवन को चैन और आराम देने वाली ठंडक कैसे मिले? कंक्रीट के हमारे जंगल, ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर में कैसे बदलें?

क्या है ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर: ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर का मतलब है, ऐसे डिजाइन और ऐसी व्यवस्थाएं, जो प्राकृतिक समाधान प्रस्तुत करें। ये पार्क, छतों पर बागवानी, हरित दीवारों, वर्षा जल संरक्षण, शहरी जंगल, जैविक नालियां, ग्रीन कॉरीडोर और स्वच्छ ऊर्जा से जुड़ी सम्मिलित संरचनाओं का नाम है। यह ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर न केवल हमारे पर्यावरण की रक्षा करता है बल्कि लोगों को रोजगार, बेहतर स्वास्थ्य और शहरों को अधिक टिकाऊ बनाता है।

बिगड़ते पर्यावरण की वजहें: आजकल जलवायु परिवर्तन और ग्लोबल वॉर्मिंग के कारण भारत ही नहीं दुनिया भर के ज्यादातर शहर, गर्मी से जल रहे हैं। शहरों में अर्बन हीट, आइलैंड इफेक्ट जोर-शोर से देखा जा रहा है। शहरों में कंक्रीट, डामर और प्लास्टिक की अधिकता, जमीन की नमी सोख रही है, जिससे तापमान बढ़ रहा है। यही नहीं जो शहर पहले छायादार पेड़ों की कतारों के हिस्से हुआ करते थे, अब उन शहरों में बड़े-बड़े पेड़ों को काट कर सड़कों का विस्तार और नए-नए मॉल्स बनाए जा रहे हैं, जिससे हमारे पारंपरिक शहरों का ग्रीन आवरण लगातार घट रहा है। कार्बन उत्सर्जन बढ़ रहा है और जल प्रबंधन की विफलता भी हमारे सामने है। शहरों में अंधाधुंध ढंग से बढ़ रहे वाहन, फैक्ट्रियां और कूलिंग सिस्टम से निकलने वाली गैसें, लगातार हमारे शहरों के तापमान बढ़ा रही हैं। दूसरी तरफ अंधाधुंध रिहाईशी ढांचे खड़े कर देने के कारण बारिश का जल बह कर निकल जाता है। धरती में वापस नहीं जा पाता, जिससे न सिर्फ सूखे बल्कि बाढ़ की समस्या भी इससे बढ़ रही है।

बढ़ रही है ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर की जरूरत: बिगड़ते पर्यावरण की वजह से ही विश्व स्तर पर ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर की खासी जरूरत बढ़ी है। आज ज्यादातर नगर योजनाकार बार-बार ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर की जरूरत पर बल देते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन का मानना है कि 2050 तक दुनिया की करीब 70 फीसदी आबादी शहरों में रह रही होगी और तब आज से कहीं ज्यादा पर्यावरणीय दबाव होगा। साल 2023 की आईपीसीसी रिपोर्ट कहती है, यदि शहरों में हरित क्षेत्र 30 प्रतिशत बढ़ा दिया जाए तो दुनिया के औसतन तापमान में 2 डिग्री सेंटीग्रेड की कमी आ जाएगी। पेरिस, सियोल, मेलबर्न और कोपनहेगन जैसे शहर अब हर नई परियोजना को ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर में तब्दील कर रहे हैं।

इस दिशा की चुनौतियां: भारत में ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर बनाना बड़ी चुनौती है, क्योंकि हमारी स्थानीय शहरी निकायों के पास इस पर स्पष्ट दिशा-निर्देश नहीं हैं। साथ ही हमारे नगर निकायों के पास पर्याप्त वित्तीय संसाधनों की भी कमी है। इसलिए हमारे शहर चाहकर भी ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर को फिलहाल नहीं बढ़ा पा रहे हैं, क्योंकि आम लोग इसे अतिरिक्त खर्च वाला समझते हैं। यही कारण है कि अब बड़े पैमाने पर ऐसी योजनाएं और स्मार्ट सिटी मिशन उभर कर सामने आ रहे हैं, जिनमें ग्रीन कॉरीडोर, अर्बन फॉरेस्ट, रेन वॉटर हार्वेस्टिंग पर जोर दिया जा रहा है। शहरों में कृषि और टेरेस गार्डेनिंग का बढ़ावा भी इसी के चलते हो रहा है। तमाम नए स्टार्टअप यह कर रहे हैं। सीएसआर और ईएसजी की फंडिंग से निजी कंपनियां आजकल हरित परियोजनाओं में निवेश कर रही हैं।

ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर बढ़ाने के तरीके: ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर बढ़ाने के लिए जरूरी है कि सभी शहरी विकास योजनाओं में ग्रीन बजट को अनिवार्य किया जाए। साथ ही बिल्डिंग बाई लॉज में छत पर गार्डेनिंग, वर्षा जल संग्रहण जैसी अनिवार्य योजनाओं को लागू किया जाए। अब जरूरी हो गया है कि शहरी खेती और कम्युनिटी गार्डेनिंग को अनिवार्य किया जाए। हर मुहल्ले में सामूहिक बागवानी प्रोजेक्ट शुरू किए जाएं, नगर निगम स्थानीय सब्जी उत्पादन को बढ़ावा दें, इसके लिए सब्सिडी और बेहतर ट्रेनिंग का सहारा लिया जाए। शहरी घरों की छतों और दीवारों को ज्यादा से ज्यादा हरा किया जाए। इसकी सबसे पहली शुरुआत सरकारी भवनों, विभिन्न सरकारी इमारतों और शहरी विभागों से किया जाए। निजी फ्लैट और कॉम्प्लेक्स में भी ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर को बढ़ावा देने के लिए कई तरह के टैक्स में छूट दी जाए ताकि लोग ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर की तरफ आकर्षित हों। शहर की हर इमारत में ग्रीन वाटर ट्रीटमेंट प्लांट लगाना अनिवार्य किया जाए, साथ ही बरसाती नालियों को पुनः डिजाइन करके उन्हें जैविक जल निकासी प्रणाली में बदला जाए।

ये उपाय भी होंगे कारगर: बड़े पैमाने पर शहरों का ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर तभी विकसित हो सकता है, जब ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़ी इसकी ट्रेनिंग, जैसे लैंडस्केपिंग, वर्टिकल गार्डेनिंग जैसी तकनीकों में युवाओं की ज्यादा से ज्यादा भागीदारी हो। युवाओं को ग्रीन अंबेस्डर बनाकर स्कूल, कॉलेज से ही इस दिशा में उन्हें पर्यावरण हितैषी के रूप में बड़ा किया जाए। शहरों में यदि ग्रीन कैप बढ़ेगा, तो लोग उनके फायदों से भी वाकिफ होंगे और ज्यादा से ज्यादा इसका फायदा उठाना चाहेंगे। इसके लिए जरूरी है कि ग्रीन मैप एप्स के कल्चर को बढ़ावा दिया जाए। ग्रीन कवर एरिया को स्टेटस सिंबल बनाया जाए। इसके लिए एआई और सैटेलाइट तकनीक से इनकी रक्षा और निगरानी भी किया जाना जरूरी है।

ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर को अपनाने से न केवल हमारी धरती को फिर से हरी-भरी बनाने में मदद मिलेगी बल्कि नई पीढ़ी को उस दहकती हुई गर्मी से छुटकारा मिलेगा, जो आज शहरी जीवन का बड़ा अभिशाप बन चुका है। इसलिए विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर इस पर गंभीरता से सिर्फ सोचा ही न जाए, सिर्फ बहस ही न हो बल्कि इसमें अमल किए जाने की प्रक्रिया तेजी से बढ़े। *

जो मानसून हर वर्ष जून के पहले सप्ताह में भारत में प्रवेश करता था, इस बार मई के अंतिम सप्ताह से पहले ही आ गया। ऐसा होने के पीछे किस तरह के कारण जिम्मेदार हैं और इसके क्या प्रभाव हो सकते हैं, आप जरूर जानना चाहेंगे।

समय से पहले आया मानसून !

बदलाव / रजनी अरोड़ा

मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक इस साल मानसून की रफ्तार इतनी तेज है कि करीब 2 सप्ताह पहले ही देश में एंट्री हो गई है। समय से पहले आए मानसून से हालांकि जन-मानस को गर्मी की तपिश से राहत पहुंची है, लेकिन पर्याप्त तैयारी के अभाव में कई शहर जल भराव की स्थिति का सामना कर रहे हैं।

परेशानी या वरदान: मानसून का जल्दी आना, सिर्फ मौसम का बदलाव नहीं बल्कि हमारे पर्यावरण और जलवायु में हो रहे बड़े बदलावों का भी संकेत है। विशेषज्ञों के अनुसार यह जलवायु परिवर्तन वैश्विक तापमान और समुद्री परिस्थितियों के मिले-जुले प्रभाव का नतीजा है। समुद्री सतह के तापमान के अनुकूल बदलाव पड़ा है। समुद्र का टेंपरेचर सामान्य से ज्यादा रहा, जिसके कारण मानसूनी पश्चिमी हवाएं तेजी से सक्रिय हो गईं।

चिंता का कारण: मानसून का जल्दी आना हालांकि कृषि, वाणिज्य जैसे क्षेत्रों के लिए अच्छा हो सकता है। लेकिन इसके अनियमित-बिगड़ते पैटर्न से बाढ़, लैंडस्लाइड, जलजनित बीमारियां, महामारी जैसी समस्याएं उत्पन्न होने का खतरा भी हो सकता है।

जल्दी आने के कारण: देश में मानसून के जल्दी आने को मौसम-वैज्ञानिक ग्लोबल वार्मिंग का असर मान रहे हैं। जिसके प्रति हमें सजग होना और समुचित कदम उठाने जरूरी हैं।

लानीना और अलनीनो का प्रभाव: यह प्रशांत महासागर के तापमान से जुड़ा सिस्टम है। जब प्रशांत महासागर का तापमान ज्यादा गर्म हो जाता है तो उसे अलनीनो कहते हैं, जो भारत के मानसून को कमजोर कर देता है। जब महासागर ठंडा होता है तो वह लानीना कहलाता है, जो मानसून को मजबूत करता है। चूंकि इस साल न ज्यादा गर्मी है और न ज्यादा ठंडक है। यानी ईएनएसओ न्यूट्रल है और यही हालात भारत के मानसून के लिए फायदेमंद है।

इंडियन ओशन डायपोल का पॉजिटिव होना: कुछ वैज्ञानिक मानते हैं कि आईओडी अरब सागर में नमी के जमाव को बढ़ाता है, जिससे मानसून की हवाएं तेज होती हैं और यह मानसून के जल्दी आने का कारण भी बनता है। तो कुछ वैज्ञानिक इसे भारतीय महासागर के पश्चिमी हिस्से यानी अफ्रीका की तरफ और पूर्वी हिस्से यानी इंडोनेशिया की तरफ पानी का तापमान से जोड़ते हैं। वस्तुतः इनके तापमान में फर्क मिलता है। अगर पश्चिमी हिस्सा गर्म होता है और पूर्वी हिस्सा ठंडा तो यह पॉजिटिव आईओडी कहलाता है। यह मानसून के लिए अच्छा होता है यानी बादल बनने, बारिश बढ़ाने में मदद करता है। जबकि इसके विपरीत यानी पश्चिम हिस्सा ठंडा और पूर्वी हिस्सा गर्म हो तो यह नेगेटिव आईओडी कहलाता है और यह मानसून को रोकता है। 2025 में अभी आईओडी भी न्यूट्रल है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि अगस्त-सितंबर तक यह हल्का पॉजिटिव हो सकता है, जो मानसून को और बढ़ा सकता है।

जेट स्ट्रीम में बदलाव: मानसून की हवाएं यानी ऊपरी स्तर की हवाओं में बदलाव से भूमध्य रेखा के ऊपर से हवाएं तेजी से भारत की ओर चलती हैं, जिससे नमी से भरी हवाएं पहले पहुंचकर मानसून जल्दी ले आती हैं। एक्सपर्ट्स का मानना है कि सोमाली जेट हवाएं मॉरीशिस और मेडागास्कर से उठती हैं। जो सीधे अरब सागर से होते हुए भारत के पश्चिमी तट यानी केरल, कर्नाटक, गोवा और महाराष्ट्र तक आती हैं। 2025 में ये हवाएं असामान्य रूप से तेज हैं।

ग्लोबल वार्मिंग से बदला मानसून पैटर्न: ग्लोबल वार्मिंग की वजह से वातावरण और महासागरों का तापमान लगातार बदल रहा है। यह बदलाव मानसून के समय और तीव्रता को सीधे प्रभावित करता है। इससे उसका चक्र बदल जाता है। इसके अलावा बीते मई महीने में अरब सागर और बंगाल की खाड़ी में भारी नमी देखी गई, जिससे बादलों को बनने में ज्यादा देर नहीं लगी। इसके साथ कर्नाटक-गोवा तट के पास बने साइक्लोनिक सिस्टम की वजह से मानसून जल्दी आ गया। *

मानसून के प्रकार: भारतीय मानसून उन हवाओं को कहते हैं, जो ग्रीष्म ऋतु में तापमान ज्यादा होने के कारण बंगाल की खाड़ी, हिंद महासागर और अरब सागर में नमी के बढ़ने से सक्रिय हो जाती हैं। ये हवाएं दक्षिण-पश्चिम और दक्षिण-पूर्व से उत्तर-पूर्व की ओर चलती हैं और ठंड के दिनों में विपरीत दिशा की ओर यानी समुद्र की ओर बहती हैं। इसके आधार पर भारत में मानसून मूलतया दो तरह के होते हैं। दक्षिण-पश्चिमी मानसून (जून से सितंबर तक) ये मानसूनी हवाएं भारत में सामान्यतया एक जून को सबसे पहले केरल में प्रवेश करती हैं और वहां बारिश करती हैं। इसके बाद यह धीरे-धीरे उत्तर दिशा में बढ़ता है। फिर जून का अंत तक आते-आते यह देश के ज्यादातर हिस्सों पर छा जाती हैं। उत्तर-पूर्वी मानसून, ऋतु-परिवर्तन होने पर ये हवाएं विपरीत दिशा की ओर यानी समुद्र की ओर बहती हैं। ये हवाएं आमतौर पर सितंबर-अक्टूबर माह तक वापस चली जाती हैं।

भारतीयता के मूल में निहित पर्यावरण संरक्षण

चिंतन / यशवंत कोठारी

भारतीय संस्कृति या कहें भारतीयता में प्रारंभ से ही पर्यावरण को अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान दिया गया है। हमारी संस्कृति में वृक्ष, पेड़-पौधों, जड़ी-बूटियों को देवता माना गया है। पवित्र और देवतुल्य वृक्षों की प्राचीन परंपरा भारतीयता के साथ गुंथी हुई है। वास्तव में भारतीयता किसी व्यक्ति विशेष से नहीं प्रकृति, पर्यावरण, सांस्कृतिक चेतना और विरासत से जुड़ी हुई है। तमाम विविधताओं के बावजूद भारतीयता के रक्षकों, पोषकों ने वृक्षों को पूजने की, उन्हें आदर देने की एक ऐसी परंपरा आरंभ की, जो भारतीयता में रच-बस गई है। वृक्षों के महत्व को प्रतिपादित करते हुए हमारी संस्कृति में अनेक परंपराएं और प्रथाएं विकसित की गईं जो वृक्षों, पर्यावरण, संस्कृति, सुहाग, पूजा-पाठ, धार्मिक अनुष्ठान आदि से जोड़ दी गईं। ये सभी चीजें कालांतर में भारतीयता का पोषण करने वाली सिद्ध हुईं।

पेड़-पौधों की करते हैं पूजा: देश के कुछ आदिवासी क्षेत्रों में विवाह के समय वर-वधु एक पौधा लगाते हैं। माना जाता है कि जैसे-जैसे वृक्ष हरा-भरा होकर विकसित होता है, दांपत्य जीवन में भी सुख और संपन्नता बढ़ती जाती है। बड़ के पेड़ को सुहाग प्रदान करने वाला माना गया है। उत्तर भारत में वट वृक्ष की पूजा का त्योहार मनाया जाता हे। पीपल के वृक्ष पर भगवान विष्णु का वास माना जाता है। पलाश के वृक्ष के नीचे शीतला माता का वास माना गया है। इसी प्रकार आंवला, तुलसी, केला आदि कई पौधों की पूजा-अर्चना का विधान भारतीय संस्कृति में मौजूद है। यह भारतीयता का एक मोहक रूप है। पीपल के वृक्ष को रामायण में भी मान्यता दी गई है। तुलसी की पवित्रता, औषधीय उपयोगों और महत्व के बारे में कई प्राचीन पुस्तकों में वर्णन मिलता है।

इससे सिद्ध होता है कि भारतीय संस्कृति में तुलसी के पौधे को कितना महत्वपूर्ण पौधा माना जाता रहा है। भारतीयता की अनेक विविधताओं के बावजूद वृक्षों का संरक्षण, उनकी पूजा-अर्चना का विधान है।

भारतीयता का अरण्य उत्सव: वृक्षों के प्रति हमारी यह श्रद्धा अनादिकाल से चली आ रही है। अरण्ये ते पृथिवि स्येनमस्तु। अर्थात हे पृथ्वीमाता, तुम्हारे जंगल, हमें आनंद, उत्साह से भर दें। यही श्रद्धा और आदर का भाव बार-बार हमें भारतीयता की मूल भावना से भी जोड़ता है। भारतीयता, जो हम सभी के जीवन से जुड़ी हुई है। भारतीयता यानी हरी-भरी वसुंधरा, हरियाली से सजे वनप्रदेश, कामदेव का वसंत, चटकते फूल, श्रंगार से ओत-प्रोत वन, मादक गंधयुक्त समीर, आजादी से उड़ते पक्षी, कोयल की मीठी वाणी, कुंलाचें भरते हिरण, नाचते मोर, झरने, झीलें, कलकल करती नदियां, ये सभी सुंदर पर्यावरण बनाते हैं और बनाते है भारतीयता का एक संपूर्ण फलक। फलक में उपस्थित होते हैं अनेक प्रकार के रंग। प्रकृति का यह उत्सव भारतीयता का मौलिक स्वरूप है। शायद ही विश्व के अन्य किसी भाग या देश की संस्कृति में पर्यावरण को इतना महत्वपूर्ण माना गया है।

हम समझें अपने दायित्व: प्राचीन काल में हुए हमारे ऋषि-मुनियों ने भारतीयता की महक से परिपूर्ण पर्यावरण की कल्पना की थी। यदि किसी वृक्ष को काटना बहुत ही जरूरी हो जाता तो वृक्ष पर रहने वाले पशु-पक्षियों से क्षमा याचना कर मंत्र पढ़ कर सर्वजनहिताय वृक्ष को काटा जाता था। पर्यावरण के संतुलन को बनाए रखने, उसे पूर्ण रूप से प्रकृति के अनुकूल रखने तथा विकास के साथ एक तादात्म्य और सामंजस्य रखने की प्रेरणा भारतीयता देती है। प्राचीन शास्त्र, साहित्य, संस्कृति, कला जो कुछ भी इस भारत भूमि पर विद्यमान रहा वह सब भारतीयता से परिपूर्ण है और यही बात प्रकृति, पर्यावरण तथा वातावरण पर भी लागू होती है। यह बेहद खेद का विषय है कि भौतिकवादी उपभोक्ता संस्कृति ने सभी प्राचीन भारतीय मूल्यों को नष्ट कर दिया है। प्रकृति के संरक्षण की बात कोई नहीं करना चाहता है। लेकिन हम सब कभी न भूलें कि अपने अस्तित्व को बचाए रखने के लिए भी पेड़-पौधों को लगाना, उनका संरक्षण करना, जीव-जंतुओं, पेड़-पौधों की रक्षा सब कुछ हमारा नैतिक दायित्व है, भारतीयता का कर्तव्य है। अगर हम इस कर्तव्य को पूरा कर सकें तो एक शस्य श्यामला हरित भूमि हमारे चारों ओर मुस्कुराएगी। *

कविता / अलका सोनी

नदी सबको देती है

नदी सबको देती है
बहुत कुछ...
जल, जंगल, जमीन
मछलियां, सूर्य को
अर्घ्य देने की जगह।
उसी तरह उसने
मुझे भी बहुत कुछ दिया
लेकिन मैंने देर से
देखा और समझा यह सब।
तब आश्चर्य हुआ कि
वो तब भी देती रहती है
जब हम नहीं जानते
उसका देते जाना।
यह सब देख
मन में आने लगती है
बस एक ही बात कि
नदी जो सबको देती है
कुछ न कुछ
बदले में पाती है
उसे नहीं समझे
जाने की
कई वजहें।

लघुकथाएं

मेरे नाम का पेड़

उसने मेरी बात काटते हुए अचानक पूछा, 'यह बताइए, क्या आपने अपने जीवन में कोई पेड़ लगाया है?'

मैंने सिर पर हाथ फेरा, बगलें झांकीं, तभी सन्नाटे को चीरती उसकी आवाज आई, 'आठ मन लकड़ी का बोझ सिर पर उधार लेकर जाओगे ऊपर?'

'तुमने जो इतने सारे पेड़ लगा रखे हैं। एक हमारे नाम का भी लगा दो।' मैंने बचना चाहा। वह मुझे और जलील न करे इसलिए मैंने बात घुमाई, 'अरे याद आया। एक बरगद के पेड़ की पौध तुमने मेरे नाम से खरीदी थी, उसका क्या हुआ?'

वह कुछ आश्चर्य से बोली, 'अब पंद्रह साल बाद तुम्हें उसकी याद आ रही है?'

'आखिर बताओ तो हुआ क्या था?' मैंने जोर देकर पूछा। 'उसकी तो कहानी हो गई थी।' वह बोली।

'हुआ क्या था?' मुझे उत्सुकता हुई।

'वो पापा की नजर उस पौधे पर पड़ी तो पूछ बैठे कि तो तुम ले ही आईं बरगद। चलो, मैं इसे अभी गांव के बाहर मेन रोड पर रोप देता हूं।' उसने कहानी बताई।

'तुमने कहा नहीं कि यह मेरे नाम का पेड़ है, किसी की अमानत है।' मैंने कहा।

'मुगले आजम के सामने मुंह खोलना इतना आसान था क्या? वो तो सीधे चिनवा देते।' वह कंधे उचका कर बोली। थोड़ी देर खामोशी रही फिर उसने धीरे से कहा, 'सच बताऊं, जब भी मैं गांव जाती हूं और इंट्री पर वह बरगद का पेड़ थके-हारे लोगों को अपने साए की आगोश में समेटे दिखता है तो मैं कार रुकवा कर पेड़ देर तक निहारती हूं। किसी ने यात्रियों की सेवा के लिए एक चाय-पान की गुमटी भी डाल ली है। प्रधान जी ने गर्मी में प्यासों के वास्ते एक हैंडपंप भी लगवा दिया है। किसी दिन आप भी मेरे साथ चलिए, आपको पेड़ देखकर बहुत खुशी होगी।'

मैं सोचने लगा कि मरने के बाद बरगद की लकड़ी से जलाया जाता है कि नहीं? *

-प्रेमेंद्र श्रीवास्तव

विज्ञापन

एक व्यक्ति ने अखबार में विज्ञापन छपवाया, 'पांच साल का यह लड़का, जिसकी फोटो दी जा रही है, कल शाम से घर से लापता है। किसी को यह बच्चा दिखाई दे या मिले तो दिए गए फोन नंबर पर सूचित करें। सूचना देने वाले को उचित इनाम दिया जाएगा।'

दूसरे दिन ही उस व्यक्ति के फोन की घंटी बजी। आवाज आई, 'आपने अखबार में बच्चे की गुमशुदगी का विज्ञापन दिया है। उसी के संबंध में बताना चाहता हूं कि आपका बच्चा कल से मेरे पास है, आप तुरंत आकर ले जाएं।' 'आप कौन बोल रहे हैं और कहां से बोल रहे हैं?' व्यक्ति ने जल्दी से पूछा।

'मैं सुखद वृद्धाश्रम से रघुबीर बोल रहा हूं...।' जवाब मिला।

यह सुनकर व्यक्ति की आंखें नम हो गईं। उसने तुरंत अपनी पत्नी से कहा, 'गुड्डू मिल गया है, वह वृद्धाश्रम में अपने दादा जी के पास है।' *

-गोविंद भारद्वाज

पत्रिका चर्चा / विज्ञान भूषण

प्रेम का साहित्यिक प्रवाह

नवोदित प्रवाह पत्रिका का वार्षिकांक प्रेम विशेषांक के रूप में प्रकाशित होकर आया है। यह अंक नामचीन और नवोदित लेखकों की रचनाशीलता से भरा-पूरा है। यहां संकलित रचनाओं के द्वारा प्रेम के मनोवैज्ञानिक विवेचन, उसके दार्शनिक पहलू, उसकी ऐंद्रिक व्याख्या और उसकी आत्मानुभूति के अलग-अलग आयामों से रूबरू हुआ जा सकता है। वैसे तो इस अंक में प्रेम पर अच्छी कहानियां, लघुकथाएं, समीक्षाएं और लेख पठनीय हैं ही, लेकिन खासतौर पर काव्य खंड बहुत ही समृद्ध है। इसमें प्रेमाधारित कई बेहतरीन कविताएं, गजलें, दोहे और गीत पाठक को प्रेमरस से सराबोर कर देते हैं। लाजवाब गीत और गजल खंड के अलावा कविता खंड में आलोक धन्वा, अच्युतानंद मिश्रा, अल्पना सिंह और आरती आस्था की कविताएं मन में ठहर जाती हैं।

विभिन्न भारतीय भाषाओं में लिखी गई प्रेम कविताओं के अनुवाद ने इस अंक को संग्रहणीय बना दिया है। कृष्ण बिहारी, जितेन ठाकुर और रेणु हुसैन की कहानियां विशेष रूप से पठनीय हैं तो प्रेम पर अलग-अलग कोणों से लिखे गए लेखों में प्रेम की शाश्वतता को सलीके से व्यक्त किया गया है। *

पत्रिका: नवोदित प्रवाह (वार्षिक पहल 2025-प्रेम विशेष), **प्रधान संपादक:** रजनीश त्रिवेदी 'आलोक', **मूल्य:** 100 रुपए, **संपादकीय कार्यालय:** देहरादून, उत्तराखंड

इन गर्मी की छुट्टियों को बिताने के लिए अगर आप किसी प्राकृतिक, शांत, सुरम्य स्थान पर जाना चाहते हैं, तो माउंट आबू आपके लिए परफेक्ट डेस्टिनेशन हो सकता है। यहां आपको ऐतिहासिक मंदिर, प्राकृतिक झीलों के साथ-साथ कई मनोरम नजारे देखने को मिलेंगे।

प्राकृतिक सौंदर्य-आध्यात्मिक सुकून का संगम माउंट आबू

सैर-सपाटा

अंशु सिंह

प्राकृतिक सुंदरता और अध्यात्म का अनुपम संगम स्थल है राजस्थान का हिल स्टेशन माउंट आबू। मरुस्थल की वीरानियत में एक शीतल तपोभूमि, जहां बिखरी है अरावली की हरियाली। फैला है, नक्की झील का अप्रतिम सौंदर्य। प्रदेश का एकमात्र हिल स्टेशन, जिसका कण-कण कर लेता है सम्मोहित। गर्मी हो, सर्दी या हो बरसात, माउंट आबू में हर मौसम का है अपना अलग आनंद...।

अरावली के मध्य बसा: अरावली पर्वत श्रंखला के मध्य में बसे माउंट आबू में प्रकृति का जनमानस के साथ कुछ ऐसा सामंजस्य स्थापित है कि 'अद्भुत' के अतिरिक्त अन्य शब्द नहीं सूझता। यहां के वायुमंडल में ही पसरी है सुकून और शांति। मौसम का ताप भी मनोनुकूल नर्म है। रेगिस्तानी राज्य के अन्य हिस्सों की तरह गर्म नहीं है यह स्थान। आखिरकार, प्रदेश का यह एकमात्र हिल स्टेशन जो है। सिरोही जिले में स्थित इस पठारी क्षेत्र को कुदरत ने नदी, झील, झरने सभी की सौगात दे रखी है। यह प्रदेश का सिरमौर है, जिसे भारत ही नहीं, संसार की प्राचीनतम पर्वत श्रंखलाओं में से एक अरावली, उत्तर से दक्षिण दो हिस्सों में विभाजित करती है। केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्रालय ने पर्यावरणीय दृष्टिकोण से इसे संवेदनशील क्षेत्र भी घोषित कर रखा है।

भारत की आध्यात्मिक भूमि: माउंट आबू ऐतिहासिक काल से ही अलग-अलग धर्मावलंबियों की कर्मभूमि और तपोभूमि रहा है। आज भी यह स्थान हिंदू और जैन धर्मावलंबियों का पवित्र तीर्थस्थल है। कथानुसार, जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर माउंट आबू आए थे, जिसके बाद से यह जैन अनुयायियों का विशेष तीर्थस्थान बन गया है। माउंट आबू का प्राचीन नाम अर्बुदांचल है। पुराणों में इसका उल्लेख अर्बुदा अरण्य (अर्थात अर्बुदा के वन) के नाम से भी मिलता है। बाद में यही 'अर्बुदा', 'आबू' में परिवर्तित हो गया। ऐसी मान्यता है कि ऋषि वशिष्ठ का जब विश्वामित्र से मतभेद हो गया था, तब वे माउंट आबू के दक्षिणी भाग में आकर बस गए थे। उन्होंने पृथ्वी से असुरों के विनाश के लिए यहां यज्ञ का आयोजन भी किया था। इनके अलावा, आध्यात्मिक संस्थान ब्रह्माकुमारीज का अंतरराष्ट्रीय मुख्यालय भी यहां स्थित है।

मनमोहक नक्की झील: पहाड़ों की छांव और अरावली की हरियाली के मध्य मचलती अति रमणीय नक्की झील को माउंट आबू का दिल कहा जाता है। 11000 मीटर की ऊंचाई पर स्थित ढाई किलोमीटर लंबी यह झील कौतुहल पैदा करती है। एक किंवदंती के अनुसार, रसिया बालम नामक शिल्पकार और तत्कालीन राजा की बेटी एक-दूजे से प्रेम करते थे। लेकिन राजा की शर्त थी कि अगर शिल्पकार एक रात में झील की खुदाई कर देता है, तो वह अपनी पुत्री उससे ब्याह देंगे। रसिया ने यह चमत्कार कर दिखाया। हालांकि बाद में राजा ने अपनी बेटी उसे देने से इंकार कर दिया। दूसरी कथा के अनुसार, देवताओं ने बाली राक्षस से रक्षा के लिए अपने नाखूनों से इस झील का निर्माण किया था। इसलिए इसका नाम नक्की झील पड़ा। गरासिया जनजाति के लिए यह पवित्र झील आस्था की प्रतीक है।

बहुत प्रसिद्ध है सनसेट प्वॉइंट: फिल्म 'कयामत से कयामत तक' का एक खूबसूरत संवाद है, 'इस डूबते हुए सूरज ने हमें पहली बार मिलाया था। यही हमें एक दिन हमेशा के लिए मिला देगा।' अभिनेता आमिर खान और जूही चावला के इस संवाद में जिस 'डूबते हुए सूरज' का जिक्र हो रहा, वह यहीं माउंट आबू के सनसेट प्वाइंट पर शूट की गई थी। यहां पास ही में स्थित हनीमून प्वॉइंट नव विवाहितों का पसंदीदा स्थान है। माउंट आबू आने वाले पर्यटकों के लिए सनसेट प्वॉइंट रोमांच से भरपूर एक ऐसा मनोरम स्थल है, जहां से पल-पल रंग बदलते आकाश एवं बादलों की ओट में छिपते-ढलते सूर्य के विस्मयकारी दृश्य को देखा जा सकता है। यहां आने वाले पर्यटक इन नजारों को अपनी यादों के साथ-साथ अपने कैमरे में भी जरूर कैद करते हैं।

विश्व प्रसिद्ध दिलवाड़ा जैन मंदिर: अपनी माउंट आबू यात्रा के दौरान आप दिलवाड़ा जैन मंदिर अवश्य जाएं। 11वीं से 13वीं शताब्दी के दौरान निर्मित दिलवाड़ा जैन मंदिर, जैन वास्तुकला का उत्कृष्ट उदाहरण है। मंदिर का प्रवेशद्वार गुंबद वाले मंडप से होकर गुजरता है। सामने एक वर्गाकार भवन है, जिसमें छह स्तंभ और दस हाथियों की प्रतिमाएं हैं। पांच मंदिरों के इस समूह में विमल शाह द्वारा निर्माण कराया गया मंदिर, सबसे पुराना है, जो जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर को समर्पित है। इसके अलावा, 22वें तीर्थंकर नेमिनाथ को समर्पित लून वासाही मंदिर भी दर्शनीय है। यहां एक अद्भुत देवरानी-जेठानी मंदिर भी है, जिसमें भगवान आदिनाथ एवं शांतिनाथ जी की मूर्तियां स्थापित हैं। संपूर्ण मंदिर एक प्रांगण के अंदर घिरा हुआ है, जिसमें छोटे स्तंभों की दोहरी पंक्तियां हैं। यहां फूल-पत्तियों और अन्य मोहक डिजाइनों से अलंकृत, नक्काशीदार छतें, पशु-पक्षियों की शानदार आकृतियां, सफेद स्तंभों पर बारीकी से उकेरी गई बेलें, जालीदार नक्काशी से सजे तोरण और जैन तीर्थंकरों की प्रतिमाएं हैं।

पीस पार्क में प्रकृति का आनंद: ब्रह्मा कुमारी का पीस पार्क, विविध प्रजातियों के पेड़-पौधों के बीच आपको एक अलग ही जगत में होने का एहसास कराएगा। यहां फूलों के साथ-साथ फलों के भी उद्यान हैं। यहां गुलाब, नीबू, बांस समेत अनेक वृक्ष देखे जा सकते हैं। खूबसूरत रॉक गार्डन एवं अन्य लैंडस्केपिंग को देखना भी कम दिलचस्प नहीं है। पार्क में ध्यान के लिए विशेष कोना भी है। *

कैसे जाएं: माउंट आबू का सबसे निकटतम हवाई अड्डा उदयपुर 185 किलोमीटर, जबकि अहमदाबाद 235 किलोमीटर दूर है। सबसे नजदीकी रेलवे स्टेशन आबू रोड 28 किलोमीटर की दूरी पर है, जो अहमदाबाद, दिल्ली, जयपुर और जोधपुर से जुड़ा है। यह सड़क मार्ग से देश के सभी प्रमुख शहरों से जुड़ा है। दिल्ली के कश्मीरी गेट बस अड्डे से माउंट आबू के लिए सीधी बस सेवा उपलब्ध है। राजस्थान राज्य सड़क परिवहन निगम की बसें दिल्ली के अलावा अन्य शहरों से माउंट आबू के लिए अपनी सेवाएं मुहैया कराती हैं।

कब जाएं: आप गर्मी या सर्दी कभी भी यहां जा सकते हैं। नवंबर से फरवरी के बीच यहां सर्दी का मौसम होता है। काफी पर्यटक आते हैं। इसके अलावा, अप्रैल से जून के बीच भी यहां घूमने जाया जा सकता है। अगर मानसून का मजा लेना है, तो जुलाई से सितंबर के महीने में यहां की योजना बना सकते हैं।

जीवनशैली

शिखर चंद जैन

किसी को उबासी लेते देख आपको भी जम्हाई आने लगती है, है ना! वास्तव में कुछ आदतें, हरकतें या प्रतिक्रियाएं ऐसी होती हैं, जो किसी दूसरे को करते देख, ठीक वैसा ही करने के लिए हमारा भी मन मचल उठता है। ऐसा क्यों होता है, जानिए।

इन एक्टीविटीज को देख मन अपना भी मचलता है!

कई बार अनजाने में दूसरे की किसी एक्टिविटी को देखकर हम भी वैसा करने लगते हैं या वैसा करना चाहते हैं। व्यवहार विशेषज्ञों, समाजशास्त्रियों और हेल्थ एक्सपट्र्स ने कुछ ऐसी इश्यूज का पता लगाया है। आप भी इनके बारे में जानिए।

फ्रेंड जैसे सामान: 'जर्नल ऑफ न्यूरोसाइंस' में प्रकाशित एक शोध के मुताबिक लोगों को उस चीज की सबसे ज्यादा चाह होने लगती है, जो उनके किसी प्रियजन या मित्र के पास हो। भले ही आपके पास पहले ही एक से एक टी-शर्ट, सलवार सूट या फुटवेयर हों, लेकिन फ्रेंड के पास कोई नया पेयर देखते हैं, तो आपका भी मन मचल उठता है। मनोवैज्ञानिक कहते हैं, 'हम किसी चीज के स्वामित्व को जब सेल्फ एस्टीम से जोड़कर देखने लगते हैं, तब ऐसी इच्छा जाग्रत हो जाती है।' कई बार हम इन चीजों को प्रेस्टीज इश्यू बना लेते हैं।

बालों पर हाथ फेरना: व्यक्तित्व विकास के विशेषज्ञ ग्लेन विल्सन ने अपनी किताब 'इंट्रोड्यूसिंग बॉडी लैंग्वेज: ए प्रैक्टिकल गाइड' में लिखा है कि दो व्यक्ति जब एक-दूसरे से व्यक्तिगत बातें कर रहे होते हैं, तो उनमें एक-दूसरे को देखकर अपने बालों में हाथ फेरने या अपने बालों से खेलने की इच्छा बलवती हो उठती है। इस स्थिति को मनोवैज्ञानिक 'सिंक्रोनी' या 'पोश्चरल ईको' कहते हैं। इनका कहना है कि हम अपने सोशल बिहेवियर का काफी कुछ अपने नजदीकी लोगों से देखकर सीखते हैं, इसलिए जाने-अनजाने में हम उनकी बॉडी लैंग्वेज की नकल कर बैठते हैं।

खुजली की तलब: एक अध्ययन के मुताबिक अपने सामने मौजूद किसी व्यक्ति को सिर या कान खुजलाते हुए देखने पर वहां मौजूद दूसरे लोगों को भी ऐसा करने की इच्छा करती है। मनोवैज्ञानिक कहते हैं, 'हमारे अवचेतन मन में किसी को खुजली करते देख या जम्हाई लेते देख, ऐसा दोहराने की स्वाभाविक प्रवृति होती है। ऐसा ही किसी को पानी पीते देखकर या टॉयलेट के लिए उठता देखकर किसी सार्वजनिक स्थान (जैसे सिनेमा हॉल, क्लास रूम या स्टेडियम) में होता है।

खुद को बीमार महसूस करना: कभी आपके साथ ऐसा जरूर हुआ होगा कि आपके किसी मित्र ने अपनी बीमारी के कुछ लक्षण आपको बताएं हों और आपने भी वैसा ही महसूस किया हो। रिसर्च बताते हैं कि हम दूसरों से 'डर' बहुत जल्दी पिकअप कर लेते हैं। आपने देखा होगा कि कई बार लोग बिना कारण जाने ही कुछ लोगों को सड़क पर दौड़ते देख, खुद भी दौड़ने लगते हैं। पेनसिलवेनिया विवि के मनोवैज्ञानिक लौरेन नेपोलिटानो कहते हैं, 'आप एक साधारण उदाहरण से इसे समझ सकते हैं। किसी संगीत समारोह में बेहद तेज संगीत को जब आप दूसरों को एंज्वॉय करते देखते हैं, तो खुद भी इसे एंज्वॉय करने लायक समझते हैं लेकिन पांच-दस लोग इसके 'लाउड' होने की शिकायत करते हुए कान पर हाथ धरते दिख जाते हैं तो आप भी अपने कान ढंक लेते हैं।

तनाव महसूस करना: 'सोशल न्यूरोसाइंस' जर्नल में प्रकाशित एक रिसर्च के मुताबिक सहकर्मी का तनाव देखकर अगल-बगल मौजूद दूसरे लोगों में भी स्ट्रेस हार्मोन रिलीज होने लगता है। दूसरे को टेंशन या तकलीफ में देखकर दुखी या तनावग्रस्त होना मानवीय प्रवृति है। ठीक ऐसा ही क्रोध के मामले में भी होता है। दूसरे का क्रोध देखकर हम भी उत्तेजित हो जाते हैं और क्रोध भरे स्वर में बात करने लगते हैं। यूनिवर्सिटी ऑफ विस्कोंसिन-मेडिकल की शोधकर्ता एलिजाबेथ क्रुसमार्क के अनुसार, 'भावनात्मक संक्रामकता शरीर में घटित होने वाले केमिकल सिग्नल्स की वजह से उत्पन्न होती है। यही वजह है कि किसी को तनाव, क्रोध या बेचैनी में देखकर हम भी वैसा ही महसूस करने लगते हैं।'

कम या ज्यादा भोजन करना: कई अध्ययनों में पाया जा चुका है कि किसी रेस्तरां या पार्टी में आप अगर ज्यादा भोजन करने वाले लोगों के साथ हैं, तो आप भी ज्यादा मात्रा में भोजन कर लेते हैं। यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया में 12,000 से ज्यादा लोगों पर किए अध्ययन में पाया गया कि किसी समूह का एक व्यक्ति 'मोटा' हो जाए तो उसके नजदीकी लोगों में मोटापे की संभावना 57 फीसदी बढ़ जाती है। ठीक ऐसा ही सेहत के प्रति जागरूक और संयमित खान-पान करने वालों के साथ रहने से होता है। *

हंसना या मुस्कुराना

किसी सामूहिक कार्यक्रम के दौरान दूसरों को ठहाके मार कर देखना या एक व्यक्ति को मुस्कुराते हुए देखना स्वतः ही दूसरे लोगों को भी ठहाके मारने या मुस्कुराने के लिए प्रेरित कर देता है। खुशी या सकारात्मक प्रतिक्रिया भी उसी तरह दूसरों को प्रेरित करती है जैसे नेगेटिव एक्टिविटी करती है। मनोवैज्ञानिक कहते हैं हर क्रिया की प्रतिक्रिया इंसानी स्वभाव है। अगर कोई व्यक्ति आपको देखकर अच्छी टिप्पणी करता है, खुश होता है या मुस्कुराता है, तो आप खुद-ब-खुद ऐसा करने लग जाते हैं।

अनेक अध्ययनों से साबित हुआ है कि हमारी लापरवाही से प्रदूषित हो रहे वातावरण से अनेक बीमारियां पनप रही हैं। हम अपने पर्यावरण को प्रदूषणमुक्त बनाकर, सही जीवनशैली अपनाकर ही स्वस्थ रह सकते हैं। इसके लिए प्रयास हमें ही करने होंगे।

पर्यावरण बनाएं प्रदूषणमुक्त आप रहेंगे स्वस्थ-ऊर्जावान

दायित्व

डॉ. राकेश 'चक्र'

वर्षों से अनेक वैज्ञानिक अध्ययन इस बात को इंगित कर रहे हैं कि हम इंसान ही अपने पर्यावरण को प्रदूषित करते जा रहे हैं। यह जानते हुए भी कि यह प्रवृत्ति हमें विनाश की ओर ले जा सकती है, प्रकृति और पर्यावरण के विरुद्ध गैर जिम्मेदाराना कार्यशैली अपनाकर उसे प्रदूषित करते ही जा रहे हैं।

हमारी लापरवाही है जिम्मेदार: यह बहुत चिंता का विषय है कि हम अपनी रोजमर्रा की कार्यशैली से पर्यावरण को प्रदूषित करते जा रहे हैं। हमने प्रकृति के पंच तत्वों-अग्नि, वायु, आकाश, पृथ्वी और जल को प्रदूषित करके भारी नुकसान पहुंचाया है और निरंतर पहुंचाते ही जा रहे हैं। हालात यह हो चुके हैं कि पानी को आरओ से शुद्ध करके पीना पड़ रहा है या फिर फिल्टर्ड पानी की बोतल खरीदनी पड़ रही है। कैंसर के रोगियों में निरंतर वृद्धि हो ही रही है। पैदल चलना अब शान-शौकत के विरुद्ध माना जाता है। पचास-सौ मीटर के लिए भी वाहन का प्रयोग किया जाता है। इसी सुविधाभोगिता के चलते रोग और रोगियों का ग्राफ बढ़ रहा है।

हालात हो जाएंगे गंभीर: अगर हालात यही रहे, तब निकट भविष्य में हमें श्वास लेने के लिए हमेशा मास्क पहन कर चलना पड़ेगा। कदाचित अब जल्दी ही ऐसा भयावह समय आने वाला है कि हमें ऑक्सीजन का सिलेंडर साथ में लेकर चलना पड़ेगा, तब कहीं हम श्वास लेकर जीवित रहने के लिए संघर्ष कर पाएंगे। ऐसे में हमें चिंतन-मनन करना ही होगा कि हम किस दिशा और दशा की ओर बढ़ रहे हैं? इसमें सुधार के लिए पर्यावरण को स्वच्छ करने की शुरुआत हमें स्वयं से ही करनी होगी। यह तभी हो सकता है, जब हम अपने मन से पूरी तरह संकल्पित हो जाएं।

ऐसे करें खुद से शुरुआत: आने वाली भयावह स्थितियों से बचने के लिए सबसे पहले तो हम अपनी दिनचर्या में ही आमूल-चूल परिवर्तन करें। आहार-विहार को प्रकृति के अनुकूल ढालें। सुविधाभोगिता की वस्तुओं का प्रयोग उतना ही करें, जितना अतिआवश्यक हो। अपने आस-पास तुलसी, मनीप्लांट, स्नेकप्लांट, नीम, पीपल आदि के पौधे अधिक से अधिक रोपें और देखभाल करें। सुविधाभोगिता में कटौती करके ही बिजली की बचत की जा सकती है। 'एसी संस्कृति' भयावह प्रदूषण की ओर ले जा रही है। हम न भूलें एसी में प्रयुक्त होने वाली गैस वातावरण को प्रदूषित करती है। इसलिए जहां तक संभव हो एसी का प्रयोग न करें या बहुत सीमित मात्रा में करें।

स्वच्छता का रखें ध्यान: अपने घर के आस-पास सड़क और पार्क की स्वच्छता का भी ध्यान रखें। घर की रसोई से निकलने वाले सब्जियों और फलों के छिलके, चाय पत्ती आदि का खाद बनाएं, वह आसानी से बन जाता है। इसका तरीका यही है कि छिलके आदि को खाली गमले, प्लास्टिक के कट्टे या अनुउपयोगी बाल्टी, डब्बे आदि में भरते जाएं। जब वह आधा भर जाए तो उसमें ऊपर से मिट्टी भर दें। दो चार दिन थोड़ा-थोड़ा पानी डाल दें, मिट्टी के ऊपर कोई भी पौधा रोप दें। पौधा बढ़ता रहेगा और कचरा खाद में परिवर्तित होकर उपयोगी मिट्टी बनता रहेगा।

यथासंभव रोकें प्रदूषण: जरूरी नहीं कि कहीं भी जाने के लिए स्कूटर, बाइक या कार ही निकालें। आस-पास एक डेढ़ किलोमीटर की दूरी दस-पंद्रह मिनट पैदल चलकर तय कर सकते हैं। कुछ अधिक दूरी को साइकिल से भी पूरा कर सकते हैं। इससे हम स्वस्थ भी रहेंगे।

जीवनशैली में करें सुधार: कूड़ा-करकट यथास्थान पर ही एकत्र करें, इधर-उधर न फेंकें। धूम्रपान, गुटखा और मद्यपान आदि से बचें। ये सिर्फ वातावरण को ही नहीं हमारे शरीर के तंत्र को भी प्रदूषित कर देते हैं। *

साल 1975 देश के लिए सामाजिक-राजनीतिक दृष्टि से उथल-पुथल भरा रहा। हिंदी सिनेमा के लिहाज से भी वह वर्ष अभूतपूर्व रहा। उस वर्ष आई उन तीन फिल्मों 'दीवार', 'शोले' और 'जय संतोषी मां' से जुड़ी कुछ रोचक बातों पर एक नजर, जिसने सफलता और कमाई के झंडे तो गाड़े ही, हिंदी सिनेमा को नई दिशा भी दी।

तीन ब्लॉक बस्टर फिल्मों के 50 साल शोले-दीवार-जय संतोषी मां

बड़ा पर्दा / मनोज प्रकाश

अब से पचास साल पहले यानी वर्ष 1975 में सिल्वर स्क्रीन पर तीन ऐसी हिंदी फिल्में रिलीज हुईं, जिसने कमाई और कामयाबी के नए कीर्तिमान स्थापित किए। आपातकाल का वह वर्ष देशवासियों की चेतना में, उनके जीवन में कई तरह के बदलाव लेकर आया। वहीं उस साल रिलीज हुई तीन सुपरहिट फिल्मों ने हिंदी सिने प्रेमियों को मनोरंजन और भक्ति का बेहतरीन तोहफा दिया। वह साल हिंदी फिल्म जगत के लिए मील के पत्थर की तरह रहा। उस साल बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाने वाली तीन फिल्में थीं- 'दीवार', 'शोले' और 'जय संतोषी मां'। 2025 इन तीनों ही फल्मों की रिलीज का स्वर्ण जयंती वर्ष है।

दीवार लिखी सफलता की नई इबारत

वर्ष 1975 में 24 जनवरी को फिल्म 'दीवार' रिलीज हुई। यह उस दौर में एक नई तरह की फिल्म थी। फिल्म का कथानक सामाजिक मुद्दों को उठाते हुए कुछ इस तरह से रचा गया था कि इसने गरीबी, अन्याय, भ्रष्टाचार जैसे मुद्दों को विस्फोटक रूप से पेश किया। फिल्म में दो भाइयों के बीच खड़ी 'दीवार' ने दर्शकों को अपनी तरफ खूब खींचा। इसमें अमिताभ की 'एंग्री यंग मैन' इमेज के दर्शक कायल हो गए। सही अर्थों में इस फिल्म को न्यायप्रिय समाज का प्रतिबिंब कहा जा सकता है। 'दीवार' के डायलॉग्स आज भी सिने-प्रेमियों के बीच लोकप्रिय हैं। 'मैं आज भी फेंके हुए पैसे नहीं उठाता', 'जाओ पहले उस आदमी के साइन लेकर आओ..' जैसे डायलॉग्स सुनते ही सिनेमाघरों में दर्शकों की सीटियां और तालियां गूंजने लगती थीं। अन्याय के खिलाफ लड़ने वाले नायक के रूप में अमिताभ बच्चन को दर्शकों का भरपूर प्यार मिला। इसी फिल्म में शशि कपूर का डायलॉग 'मेरे पास मां है' दर्शकों को इमोशनल कर जाता है।

शोले तोड़े कामयाबी के रिकॉर्ड

15 अगस्त 1975 को रिलीज हुई 'शोले' को हिंदी फिल्म इतिहास के अब तक की सबसे बेहतरीन फिल्मों में से एक के रूप में गिना जाता है। जब यह फिल्म रिलीज हुई तो इसके सफल होने पर ही लोग शक कर रहे थे। लेकिन इस फिल्म को दर्शकों का भरपूर प्यार मिला। फिल्म ने सफलता के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए। इस फिल्म ने सौ सिनेमाघरों में अपनी रिलीज की सिल्वर जुबली और पचास से अधिक में गोल्डेन जुबली का रिकॉर्ड कायम किया। फिल्म निर्माण जगत में यह क्रांतिकारी बदलाव लाने वाली फिल्म मानी जाती है। फिल्म का वह दृश्य जिसमें जय (अमिताभ) वीरू (धर्मेंद्र) को कारतूस लाने के लिए कहता है, उसमें सिक्के का एक ही पहलू अभी तक दर्शकों को रोमांचित कर देता है। जहां कहीं दोस्ती निभाने की बात आती है, वहां जय-वीरू और 'शोले' का सिक्का दर्शक नहीं भूलते हैं। जय का बसंती (हेमा मालिनी) से पूछना, 'तुम्हारा नाम क्या है बसंती?' वीरू का टंकी वाला सीन और 'सुसाइड' वाला डायलॉग। गब्बर (अमजद खान) के डायलॉग्स, 'कितने आदमी थे?', 'तेरा क्या होगा कालिया?', बसंती (हेमा मालिनी) का डायलॉग, 'चल धन्नो, आज तेरी बसंती की इज्जत का सवाल है', ठाकुर (संजीव कुमार) पर फिल्माए गए दृश्य और संवाद। राधा (जया बच्चन) का चुलबुलापन और मौन। 'अंग्रेजों के जमाने के जेलर' (असरानी) और सूरमा भोपाली (जगदीप) के कॉमेडी सींस। फिल्म का एक-एक दृश्य, एक-एक पात्र, एक-एक डायलॉग, एक-एक गीत आज भी सिने प्रेमियों के जेहन में जीवंत है।

जय संतोषी मां जलाई भक्ति की अलख

'दीवार' और 'शोले' ने जहां हिंसा और बदले की भावना को प्रतिबिंबित किया, वहीं 'जय संतोषी मां' ने आस्था, भक्ति और विश्वास की जीत दिखाकर ब्लॉक बस्टर का तमगा हासिल किया। यह फिल्म 'शोले' के साथ ही यानी 15 अगस्त 1975 को रिलीज हुई थी। सामूहिक परिवार की कहानी में भाइयों की आपसी खींचतान के साथ इस फिल्म ने धर्म तथा आस्था का बेजोड़ संगम प्रस्तुत किया। आस्था, विनम्र भक्ति में रची-बसी 'जय संतोषी मां' ने भक्ति फिल्मों के एक ऐसे युग की शुरुआत की, जिसको पचास साल बाद भी भारतीय फिल्म उद्योग और समाज मानक मानकर चलता है। फिल्म में भजन और आरती के समय दर्शक एक साथ खड़े हो जाया करते थे। फिल्म समीक्षक इस बात को प्रमुखता से इंगित करते हैं कि फिल्म की रिलीज के बाद समाज में संतोषी माता के प्रति आस्था में अभूतपूर्व वृद्धि हुई। फिल्म के भजन और आरती- 'मैं तो आरती उतारूं रे', 'यहां-वहां, जहां-तहां, मत पूछों कहां-कहां', 'करती हूं तुम्हारे व्रत मैं', 'मदद करो संतोषी माता' भक्ति संगीत में मील के पत्थर बन चुके हैं। आज भी इस फिल्म के गीत घरों और मंदिरों में भक्तिभाव से गाए, बजाए और सुने जाते हैं। *